तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,रविवार 19 अप्रैल 2026 ■ बैसाख शुक्ल पक्ष-2 ■ वर्ष -42 ■ अंक-021 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 20 अप्रैल 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए विपक्ष की नई तैयारी

200 सांसदों का समर्थन जुटाने की योजना

नई दिल्ली,19 अप्रैल। भारत में चुनावी व्यवस्था को लेकर एक बड़ा राजनीतिक विवाद फिर से तेज हो गया है। विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए एक नया प्रस्ताव लाने की तैयारी शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, कई विपक्षी पार्टियों के नेता इस मुद्दे पर एक साथ बातचीत कर रहे हैं और एक नई नोटिस तैयार की जा रही है। इस पहल में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस , समाजवादी पार्टी और डीएमके समेत कई दलों के कम से कम 5 वरिष्ठ सांसद शामिल बताए जा रहे हैं। विपक्ष का लक्ष्य इस बार ज्यादा समर्थन जुटाने का है। इसके लिए करीब 200 सांसदों के हस्ताक्षर हासिल करने की कोशिश हो रही है, ताकि सरकार और चुनाव आयोग पर मजबूत दबाव बनाया जा सके।विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग की नियुक्ति प्रक्रिया और कामकाज में पारदर्शिता की कमी है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि आयोग के कई फैसले पक्षपातपूर्ण दिखाई देते हैं और सरकार के प्रभाव में लिए गए हैं। इसके साथ ही विशेष मतदाता सूची सुधार जैसी प्रक्रियाओं को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं, जिससे मतदाता अधिकार प्रभावित होने की बात कही गई है। विपक्ष का कहना है कि इससे पहले भी जो नोटिस दिए गए थे, उन्हें खारिज कर दिया गया था, लेकिन अब वे इस मुद्दे को और मजबूती से उठाना चाहते हैं। हालांकि, संसद के दोनों सदनों के अध्यक्षों ने पहले इन नोटिसों को खारिज कर दिया था। उनका तर्क था कि संविधान के अनुसार किसी भी अधिकारी को हटाने के लिए गंभीर कदाचार का ठोस सबूत जरूरी होता है। केवल राजनीतिक असहमति या प्रशासनिक फैसलों पर मतभेद के आधार पर हटाने की प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकती। अध्यक्षों ने यह भी स्पष्ट किया था कि विपक्ष के कई आरोप या तो अनुमान पर आधारित हैं या फिर अदालत में विचाराधीन मामलों से जुड़े हैं। इसलिए इन्हें आधार बनाकर हटाने की कार्रवाई संभव नहीं है। अब 1 बार फिर यह मुद्दा राजनीतिक रूप से गर्म हो गया है और आने वाले दिनों में संसद में इस पर तीखी बहस होने की संभावना है।

इटली में गुरुद्वारे के सामने चलीं गोलियां, दो भारतीयों की मौत

रोम,19 अप्रैल। इटली के बरगामो में एक गुरुद्वारे के सामने फायरिंग की घटना सामने आई है। जानकारी के मुताबिक एक संदिग्ध व्यक्ति ने दो भारतीयों की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी फिलहाल फरार है और उसकी तलाश जारी है। इटली के बर्गामो में एक गुरुद्वारे के सामने फायरिंग की घटना सामने आई है। जानकारी के मुताबिक एक संदिग्ध व्यक्ति ने दो भारतीयों की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी फिलहाल फरार है और उसकी तलाश जारी है। यह गुरुद्वारा एक गोदाम में था जिसका इस्तेमाल पूजा स्थल के रूप में किया जा रहा था। 'ला सिसिलिया' अखबार के अनुसार, यह हमला शुक्रवार को मध्य रात्रि से कुछ देर पहले शहर के औद्योगिक क्षेत्र में गुरुद्वारा माता साहिब कौर जी के सामने स्थित चौक में हुआ। जानकारी के मुताबिक मारे गए दोनों भारतीय सिख हैं। वे गुरुद्वारे से बाहर निकल रहे थे तभी एक अज्ञात हमलावर ने गोली चला दी। दोनों मृतकों की पहचान राजिंदर सिंह और गुरमीत सिंह के तौर पर की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि गोली चलाने वाला भी एक भारतीय ही है। वह किसी वाहन से वहां से तुरंत फरार हो गया।

टीएमसी ने किया महिलाओं से विश्वासघात : नरेन्द्र मोदी

कोलकाता,19 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के बिष्णुपुर में 'विजय संकल्प सभा' को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने महिला आरक्षण बिल का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि संसद में इस बिल के दौरान टीएमसी की भूमिका ने बंगाल की महिलाओं के साथ विश्वासघात किया है। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा की मुख्य पहचान महिलाओं की सुरक्षा और उनके सशक्तिकरण से जुड़ी है। इसी कारण से देश भर की महिलाएं भाजपा पर भरोसा जताती हैं। उन्होंने अपनी मंशा जाहिर करते हुए कहा कि वे चाहते हैं कि विकसित भारत के निर्माण में बेटियों की भूमिका और अधिक बढ़े, ताकि प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर तीखे हमले करते हुए कहा कि यह पार्टी घुसपैठियों को लाभ पहुंचाने के लिए कानून और नियमों को ताक पर रख देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी धर्म के आधार पर आरक्षण देकर संविधान की मूल भावना को नुकसान पहुंचा रही है। इसके अलावा, उन्होंने टीएमसी को आदिवासी-विरोधी बताते हुए कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अपमान करके उन्होंने बंगाल की बहनों की भावनाओं को आहत किया है, जिसे वे कभी नहीं भूलेंगी।

मणिपुर में दो लोगों की हत्या के बाद तनाव

इंफाल,19 अप्रैल। मणिपुर में हिंसा का दौर रुकने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को राज्य के उखरुल जिले में संदिग्ध आतंकवादियों ने नागरिक वाहनों के एक काफिले पर घात लगाकर हमला कर दिया। यह घटना लिटान पुलिस थाना क्षेत्र के टी एम कासोम गांव के पास हुई। हमले में दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान ताशर गांव के सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी चिनाओशांग शोकवुंगनाओ और खारासोम गांव के यारुइंगम वाशुम के रूप में हुई है। हमले के दौरान काफिले में शामिल तीन कारों को भी काफी नुकसान पहुंचा। मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने इस घटना की कड़ी निंदा की है और इसे अत्यंत दुखद बताया है। उन्होंने घोषणा की है कि इस मामले की जांच अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी करेगी। मुख्यमंत्री ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें आर्थिक मदद देने का भी आश्वासन दिया है। फिलहाल, गृह मंत्री गोविंदास कोंथौजम और मुख्यमंत्री खुद स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और सुरक्षाबलों ने हमलावरों को पकड़ने के लिए इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। इस दुखद घटना के बाद अलग-अलग समूहों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो गया है। तंगखुल नागा लोंग की कार्यकारी समिति ने इस हमले के लिए कुकी समूहों को जिम्मेदार ठहराया है और घटना की कड़ी निंदा की है। दूसरी ओर, कुकी जो परिषद ने इन हत्याओं में अपने समुदाय की किसी भी तरह की संलिप्तता होने से पूरी तरह इनकार किया है। सरकार ने सभी समुदायों से शांति बनाए रखने की अपील की है ताकि माहौल और न बिगड़े।

किम जोंग ने पड़ोसियों को हड़काया

प्योंगयांग,19 अप्रैल। एक ओर मिडिल ईस्ट में तनाव में एक बार फिर बढ़ रहा है, जिससे पूरी दुनिया टेंशन में है। इस बीच नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन इस मौके का फायदा उठाते हुए अपनी सैन्य ताकत का खुला प्रदर्शन कर रहे हैं। रविवार (19 अप्रैल) सुबह उत्तर कोरिया ने समुद्र की तरफ कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं, जिससे दक्षिण कोरिया और जापान अलर्ट हो गए। एक महीने में ऐसा चौथी बार हुआ जब नॉर्थ कोरिया ने बैलिस्टिक मिसाइल दागी। उत्तर कोरिया ने एक के बाद एक कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागकर दुनिया को फिर से टेंशन में डाल दिया है. इस साल का यह सातवां और अकेले अप्रैल का चौथा मिसाइल टेस्ट है.उत्तर कोरिया ने अपनी उकसावे वाली हरकतों से दुनिया की चिंता एक बार फिर बढ़ा दी है. किम जोंग उन की सेना ने रविवार (19 अप्रैल) सुबह एक और बैलिस्टिक मिसाइल दागकर पूरे इलाके में तनाव पैदा कर दिया. यह इस साल का सातवां और अकेले अप्रैल महीने का चौथा मिसाइल टेस्ट है, जो उत्तर कोरिया की बढ़ती आक्रामकता को दिखाता है. जापान और दक्षिण कोरिया ने फौरन अपना सुरक्षा घेरा कड़ा कर लिया है और दोनों देशों में हाई अलर्ट जारी है. जापान की प्रधानमंत्री सानाए तकाइची ने मोर्चा संभालते हुए साफ कह दिया है कि उनकी सरकार किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और दुश्मन की हर हरकत पर उनकी नजर है.जापान सरकार की मानें तो ये मिसाइलें उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय शहर सिनपो से लॉन्च की गई थीं. तकाइची ने खुद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर आकर लोगों को पूरी जानकारी दी. उन्होंने बताया कि सुबह करीब 6 बजे ये मिसाइल दागी गईं, जो जापान की समुद्री सीमा के बाहर जाकर गिरी. हालांकि मिसाइलें सीमा के बाहर गिरी, लेकिन जिस तरह से मिसाइल छोड़ी गईं, उसने सुरक्षा एजेंसियों के कान खड़े कर दिए हैं. मिसाइल लॉन्च की खबर मिलते ही जापान सरकार ने अपने टॉप लेवल के सुरक्षा नियम लागू कर दिए. प्रधानमंत्री दफ्तर में बिना देरी किए इमरजेंसी बैठक बुलाई गई, जिसमें सभी बड़े विभागों को निर्देश दिया गया कि वे पल-पल की जानकारी जुटाएं.

होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से बढ़े युद्ध के आसार

ईरान बोला- हालात कभी भी बिगड़ सकते, सेना पूरी तरह तैयार

तेहरान,19 अप्रैल। ईरान ने अमेरिका पर भरोसा न होने की बात कही है और क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका जताई है। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि हालात किसी भी समय बिगड़ सकते हैं, इसलिए देश की सेना पूरी तरह सतर्क और तैयार है। गालिबाफ ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ईरानी जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने से रोका गया, तो किसी भी अन्य देश के जहाजों को भी इस मार्ग से गुजरने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों पर लगाए गए प्रतिबंधों को गलत और गैर-जिम्मेदाराना कदम बताया और कहा कि इससे क्षेत्रीय तनाव और अधिक बढ़ रहा है। ईरान ने कहा है कि उसे अमेरिका पर भरोसा नहीं हैं। संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर ने कहा कि हालात कभी भी बिगड़ सकते हैं। इसी वजह से सेना पूरी तरह तैयार है। शनिवार रात दिए बयान में गालिबाफ ने कहा कि अगर ईरान के जहाज होर्मुज स्ट्रेट से नहीं गुजर पाए, तो किसी और देश के जहाजों को भी वहां से गुजरने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने अमेरिका की ईरानी बंदरगाहों पर लगाई गई नाकेबंदी को गलत और लापरवाह फैसला बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम क्षेत्र में तनाव बढ़ा रहा है। गालिबाफ ने चेतावनी दी कि होर्मुज में माइन-क्लियरिंग जैसी किसी भी कार्रवाई को सीजफायर का उल्लंघन माना जाएगा और इसका जवाब दिया जाएगा। इससे पहले ईरान ने जहाजों को फीस और अनुमति के साथ गुजरने की इजाजत दी थी, लेकिन अब उसने सख्त रुख अपनाते हुए इसे पूरी तरह बंद कर दिया है। नौसेना ने चेतावनी दी है कि जो भी जहाज इस फैसले का उल्लंघन करेगा, उसे निशाना बनाया जाएगा। ईरान का कहना है कि अमेरिका की नाकेबंदी सीजफायर का उल्लंघन है, जिसके जवाब में यह कदम उठाया गया है। ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड नौसेना ने कहा कि जब तक अमेरिका उसकी नाकेबंदी नहीं हटाता, तब तक यह अहम समुद्री रास्ता बंद रहेगा। संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर ने कहा कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इसे कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। साथ ही दावा किया कि अमेरिका के पास संसाधन और हथियार होने के बावजूद रणनीतिक तौर पर वह ईरान के सामने कमजोर पड़ा है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह बंद करने का ऐलान किया है।

एलपीजी संकट की मार, सूरत रेलवे स्टेशन पर घर लौटने वालों का सैलाब, पुलिस ने बरसाईं लाठियां

गांधीनगर,19 अप्रैल। मिडिल-ईस्ट जंग और एलपीजी संकट का असर भारत के अलग-अलग इलाकों में देखने को मिल रहा है. कंपनियों की बिल्डिंग पर ताले लगने शुरू हो गए हैं और दूर-दराज के मजदूरों को पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है. सूरत में उधना रेलवे स्टेशन पर रविवार को यात्रियों का रेला उमड़ पड़ा. यूपी-बिहार जाने वाली ट्रेनों में सीट हासिल करने के लिए हजारों लोग स्टेशन पहुंचे. इस दौरान लाठीचार्ज के बाद भगदड़ जैसे हालात देखने को मिले. सुबह करीब 11:30 बजे जब उधना-हसनपुर ट्रेन के लिए यात्रियों को कतारों में खड़ा किया जा रहा था, तभी कुछ लोगों ने लाइन तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की. स्थिति बिगड़ते देख पुलिस और आरपीएफ के जवानों को भीड़ को कंट्रोल करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा. सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में यात्री पुलिस की डंडेबाजी से बचने के लिए लोहे की जालियों के ऊपर से कूदते दिखाई दे रहे हैं. रेलवे अधिकारी अनुभव सक्सेना के मुताबिक, दोपहर तक 6 ट्रेनों के जरिए 21,000 से ज्यादा यात्री रवाना किए जा चुके थे, लेकिन भीड़ इतनी ज्यादा थी कि व्यवस्था बनाए रखना मुश्किल हो गया. यात्रियों से बार-बार कतार में चलने की अपील की गई, लेकिन अव्यवस्था के कारण पुलिस को सख्त कदम उठाने पड़े. स्टेशन पर उमड़ी इस भारी भीड़ के पीछे केवल समर वेकेशन भी एक वजह है लेकिन पिछले एक-दो महीने से एलपीजी क्राइसिस के चलते कामगारों का पलायन जारी है. समर सीजन की छुट्टियों और एलपीजी संकट के चलते यात्रियों की संख्या दोगुनी हो गई है, जिससे रेलवे की तमाम व्यवस्थाएं बौनी साबित हो रही हैं. रेलवे अधिकारी अनुभव सक्सेना ने कहते हैं, "समर सीजन चल रहा है और यात्रियों के लिए हमने स्पेशल ट्रेनें भी चलाई हैं. आज अभी तक 6 ट्रेनें चलाई जा चुकी हैं. पहली ट्रेन रात के 1:30 बजे उधना से जयनगर गई थी. उसके बाद 5:30 बजे एक ट्रेन उधना से मधुबनी के लिए गई हुई है.

साध्वी सतीश सैल बनीं मिस इंडिया

पणजी,19 अप्रैल। साध्वी सतीश सैल फेमिना मिस इंडिया 2026 बन गईं हैं। शनिवार देर रात भुवनेश्वर स्थित कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी में आयोजित ग्रैंड फिनाले में गोवा की साध्वी सतीश सैल ने 30 कंटेस्टेंट्स को पछाड़कर मिस इंडिया 2026 का ताज अपने सिर सजाया। उनका नाम अनाउंस होते ही पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और साध्वी की आंखों में खुशी के आंसू झलक पड़े। साध्वी के कॉन्फिडेंस, ग्रेस, खुद को प्रेजेंट करने के स्टाइल ने जजों का दिल जीत लिया। महाराष्ट्र की राजनंदिनी पंवार फेमिना मिस इंडिया 2026 फर्स्ट रनरअप बनीं, तो वहीं जम्मू कश्मीर की श्री अद्वैता फेमिना मिस इंडिया 2026 की सेकंड रनरअप रहीं। साध्वी सैल अब 2027 में होने वाले मिस वर्ल्ड कॉन्टेस्ट में भारत को रिप्रेजेंट करेंगी। साध्वी सतीश सैल के विनर बनने की घोषणा जैसे ही हुई पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा। साध्वी को स्टेज पर पिछले साल की विनर ने मिस इंडिया का ताज पहनाया। इस दौरान साध्वी के चेहरे पर अलग ही चमक देखने को मिली। वहीं उनके परिवार और उनके दोस्तों ने भी उनका हौसला बढ़ाया। साध्वी सैल ने कॉन्टेस्ट के लिए सिल्वर-ब्लैक शेड वाला मोनोक्रोमैटिक गाउन चुना था, जो उन्हें रॉयल लुक दे रहा था। हाई नेक डिजाइन के साथ फ्रंट कट-आउट पैटर्न ड्रेस को बोल्ड बना रहा था। स्टेज लाइट्स के हिसाब से गाउन पर की गई स्टोन और सीक्विन वर्क शाइन कर रहे थे। स्ट्रेट फिट और फ्लोइंग सिल्हूट उनकी पर्सनैलिटी को और ग्रेसफुल लुक दे रहा था

ट्रेलर से टकराया दूसरा ट्रेलर, चालक की मौत

बिलासपुर,19 अप्रैल। जिले के सकरी बाईपास रोड स्थित संबलपुरी ओवरब्रिज पर रविवार को एक भयावह सड़क हादसा हो गया, जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। यहां दो ट्रेलरों के बीच हुई जोरदार टक्कर के बाद आग लगने से एक चालक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि ट्रेलर का केबिन पूरी तरह जलकर खाक हो गया और चालक उसमें ही फंसकर जिंदा जल गया, प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक ट्रेलर ओवरब्रिज पर आगे चल रही थी, तभी पीछे से आ रही कोयले से लदी तेज रफ्तार ट्रेलर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पीछे वाले ट्रेलर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसके केबिन में अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और चालक बाहर निकलने का मौका भी नहीं पा सका। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही सकरी थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दमकल की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक चालक की मौत हो चुकी थी और उसका शव केबिन के अंदर ही बुरी तरह झुलस गया था। फिलहाल पुलिस द्वारा शव को बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है और मृतक की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी गई है। हादसे के कारण कुछ समय तक मार्ग पर यातायात भी बाधित रहा। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित नहीं होने पर बिफरी भाजपा

रायपुर,19 अप्रैल। कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं के हितों की उपेक्षा की. समाजवादी पार्टी और आरजेडी ने हमेशा महिलाओं को गाली देने का काम किया. बिल पास नहीं के बाद विपक्ष के लोगों ने तालियां बजाई और खुशियां मनाई, जबकि हमारे आंखों में आंसू थे. कांग्रेस के लोग चालबाज हैं. कांग्रेस ने बहुत बड़ा पाप किया है. इसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा. यह बात भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लोकसभा में पारित नहीं हो पाने पर विपक्ष पर बरसते हुए कही. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव और मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, रायपुर महापौर मीनल चौबे, सांसद कमलेश जांगड़े, सांसद लक्ष्मी वर्मा सहित कई महिला नेत्रियों की मौजूदगी में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता में बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने विपक्ष पर जमकर गुस्सा निकाला.उन्होंने कहा कि 17 अप्रैल का दिन स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाना था. कांग्रेस और विपक्ष ने महिलाओं के अधिकार का हनन किया. कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों ने बिल को पास होने नहीं दिया.

खेलों की दुनिया में मैच के सीधे दिखाए जाने की बढ़ती मांग और उसका असर

खेल प्रेमियों के लिए रोड़ा बन रहा प्रसारण एकाधिकार....

✍ **जसवंत क्लाडियस,तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता**

आमतौर पर यह बात देखने में आई है कि एक समय था जब किसी टूर्नामेंट की सीधे प्रसारण के लिए मीडिया राइट्स पाने लाखों रुपये की बोली लगाई जाती थी।1996 से 2018 तक की अवधि में सोनी,जी इंटरटेनमेंट, स्टार स्पोर्ट्स , टेन स्पोर्ट्स आदि चैनल में किसी न किसी खेल की प्रतियोगिता के अंतर्गत होने वाले मुकाबलों के लाइव टेलीकास्ट के लिए बड़ी-बड़ी बोली लगाई जाती थी परंतु समय के परिवर्तन के अनुसार अब टेलीविजन के अलावा सोशल मीडिया, यूट्यूब के माध्यम से सीधे मोबाइल में भी दुनिया में खेली जा रही किसी भी खेल स्पर्धा को देखा जा सकता है। अब जियो स्टार द्वारा वायकाम 18, डिज्नी स्टार तथा स्टार इंडिया को खरीद लेने के कारण जियो स्टार नामक प्रसारण की बड़ी कंपनी हो गई तब उसके संचालक मंडल द्वारा बड़ी से बड़ी राशि देकर प्रसारण के अधिकार को खरीदने की परंपरा आरंभ हुई। पिछले लगभग एक दशक तक जियो स्टार का क्रिकेट में मीडिया राइट्स का एकाधिकार रहा। स्टार ने 2024 से 27 के लिए करीब 2400 करोड़ रूपये, में सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के विभिन्न चैंपियनशिप के मुकाबले के प्रसारण अधिकार को खरीदा परंतु इसी दौरान जियो स्टार में मिल जाने के कारण अपने पुराने समझौते में से एक वर्ष पूर्व 2026-27 से ही प्रसारण अधिकार को छोड़ दिया। अब स्थिति यह है कि आई.सी.सी ने 2026-29 के लिए प्रसारण अधिकार लगभग 1632 करोड़ में दिये जाने के प्रस्ताव के बावजूद अब तक कोई प्रसारण करता इसे लेने को तैयार नहीं है। इसके लिए वे अधिकतम 1400 करोड़ रूपये देने को राजी हो रहे हैं. ठीक इसी तरह प्रसारण के अधिकार के लिए अंतर्राष्ट्रीय फुटबाल परिषद याने फीफा के द्वारा 2026 और 2030 के विश्वकप के 208 मैच के सीधे प्रसारण के लिए भारत के टेलीविजन या डिजिटल प्लेटफार्म को 900 करोड़ रुपये में बेचने का प्रस्ताव रखा परंतु अभी तक कोई लेनदार सामने नहीं आया है। कतर में 2022 के विश्वकप फुटबाल के मीडिया राइट को वायकाम 18 ने 527 करोड़ में खरीदा था।इस प्रकार जैसे-जैसे परिस्थिति बदलती जा रही है वैसे वैसे खरीददर अपना रंग गिरगिट के समान बदल रहे हैं।क्रिकेट हो या फुटबाल या फिर कोई और खेल उसके प्रसारण अधिकार के खर्च जितना कम या ज्यादा होगा उसका प्रत्यक्ष असर मैच के दौरान दिखाए जाने वाले उत्पादकों के उत्पादक कंपनी के साथ ही मैच का आनंद लेने वाले खेल प्रेमियों को होता है। परंतु इस चक्कर में सबसे बड़ी हानि आम जनता की होती है। उत्पाद का विज्ञापन करते हैं तो उत्पादक उसका भार आम जनता पर डाल देते हैं। अर्थात उत्पाद के क्रय करने वालों को अधिक दाम देकर अपनी पसंद की वस्तु को खरीदना पड़ता है। दूसरी तरफ मुकाबले का जीवंत प्रसारण देखने वाले खेल प्रेमियों- दर्शकों को नेट-डाटा पर अधिक धन राशि देनी पड़ती है। इस सच्चाई से कोई भी इंकार नहीं कर सकता कि फुटबाल इस संसार का सबसे लोकप्रिय खेल है।2026 में इसके 104 मुकाबले मैक्सिको,कनाडा तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के 16 शहरों में आयोजित है। इसके करीब 86 मैच का सीधा प्रसारण भारतीय समय के अनुसार रात्रि 12 बजे से सुबह 06 बजे के बीच होगा। अब इसी बात को लेकर भारतीय प्रसारण कंपनी वायकाम 18 और हाट स्टार ने फीफा के समक्ष आपत्ति की है। उन्होंने अपना यह तर्क देते हुए कि मैच के प्रसारण की अधिकांश अवधि में भारत में मध्यरात्रि व सोने का समय होगा अतः न सिर्फ देखने वालों की संख्या कम होगी बल्कि उत्पादक भी अपनी वस्तु का विज्ञापन बड़ी संख्या में नहीं देंगे अतः प्रसारण अधिकार की राशि को कम किया जाए। आखिरकार फीफा ने भारतीय प्रसारक को 315 करोड़ रुपये में प्रसारण अधिकार देने का प्रस्ताव रखा है। अभी तक कोई प्रसारक सामने आया है। अतः असमंजस की स्थिति बनी हुई है। फीफा और मीडिया राइट्स के बीच इस तरह के उहापोह की स्थिति में भारतीय खेल प्रेमी विशेषकर फुटबाल प्रेमी और साथ ही साथ अपने उत्पाद का विज्ञापन देने वाले दोनों ही उलझन में फंसे हुए हैं। इस समस्या का क्या हल होगा पता हीं लेकिन खेल प्रेमियों को यह समझ लेना चाहिए कि प्रसारण करने वाली संस्था पहले अपना फायदा देखती है।

26वीं राज्य पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का शुभारंभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 19 अप्रैल। छत्तीसगढ़ पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन एवं पावर जिम, भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में 26वीं छत्तीसगढ़ राज्य पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का भव्य शुभारंभ 17 अप्रैल को हुआ। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर से लगभग 250 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता में सब-जूनियर, जूनियर, सीनियर एवं मास्टर वर्ग के महिला-पुरुष खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि कैलाश जैन बरमेचा अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन ने किया। इस अवसर पर अर्जुन अवार्डी एवं ओलंपिक खिलाड़ी राजेंद्र प्रसाद, युवा कांग्रेस नेता सुजीत बघेल तथा वर्किंग प्रेसिडेंट तुलसी सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे।प्रतियोगिता के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

चयनित खिलाड़ियों एवं कोच का सम्मान भी किया गया। आगामी जुलाई माह में एशिया पैसिफिक इंटरनेशनल पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में भाग लेने वाले जयदीप साहू, प्रियंका मिश्रा, अमन शुक्ला तथा कोच कृष्णा साहू को सम्मानित किया गया। इसके अलावा नस्कर टंडन को भी पोलैंड में भारतीय टीम में चयनित होने पर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के पहले दिन 53, 59, 66 एवं 74 किलोग्राम वर्ग के मुकाबले आयोजित किए गए, जिसमें विजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि द्वारा पदक प्रदान किए गए। प्रतियोगिता का समापन 19 अप्रैल को होगा, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भूपेश बघेल शामिल होंगे।

कवर्धा। अक्षय तृतीया के आते ही मटका खरीदने पहुंच रहे है लोग

एक नजर

आपसी रंजिश में हमला,दो गिरफ्तार

भिलाई, 19 अप्रैल (तछसं.)। पुरानी रंजिश में युवक पर धारदार हथियार व बेसबॉल बैट से हमला करने वाले दो आरोपियों को छावनी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है पुलिस आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार एवं बेसबॉल बैट बरामद कर लिया है छावनी प्रभारी अमित अंदानी ने बताया कि प्रार्थी करन चौहान (19 साल) निवासी मिलन चौक कैम्प 02 ने थाना छावनी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि रात 9.30 बजे आरोपियों ने पुरानी रंजिश के चलते गाली-गलौज कर धारदार हथियार एवं बेसबॉल बैट से हमला कर चोट पहुंचाई। प्रकरण में धारा 296, 351(3), 115(2), 118(1), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान मुखबीर से सूचना के आधार पर आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की इस में आरोपियों तरूण यादव निवासी श्याम नगर महामाया मंदिर ठेठवार पारा, कैम्प 02 और चंदन यादव निवासी श्याम नगर महामाया मंदिर ठेठवार पारा कैम्प 02 ने घटना करना स्वीकार किया गया आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त सामग्री बरामद कर जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है?

प्रेमिका की हत्या के आरोप में प्रेमी गिरफ्तार

भिलाई, 19 अप्रैल (तछसं.)। भिलाई पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र में प्रेम संबंध में उपजे विवाद ने एक बीएड छात्रा की जान ले ली। मोबाइल कॉल रिसीव न करने को लेकर हुए झगड़े के बाद आरोपी प्रेमी ने युवती को अपने कमरे में ले जाकर गला घोंटकर हत्या कर दी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है पद्मनाभपुर टीआई राजकुमार लहरे के अनुसार युनेश्वरी वर्मा (26 साल) दुर्ग के जीएम कॉलेज से बीएड कर रही थी और पुलगांव क्षेत्र में किराए के मकान में रहती थी बालोद जिले के देंगरापार निवासी आरोपी कार्तिक राम साहू (27 साल) भी उसी कॉलेज का छात्र है और दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने युवती को कई बार कॉल किया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। इसके बाद वह पुलगांव पहुंचा और युवती को बहला-फुसलाकर बाइक से सुभाष नगर स्थित अपने कमरे में ले आया। यहां मोबाइल कॉल को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जो बढ़कर हिंसक हो गया गुस्से में आकर आरोपी ने युवती का गला दबा दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई पुलिस के अनुसार, आरोपी को युवती के चरित्र पर संदेह था, जिससे विवाद और उग्र हो गया वारदात के बाद आरोपी फरार होने की कोशिश में था, लेकिन पुलिस ने उसे समय रहते पकड़ लिया? घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए गए हैं और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ऑनलाइन सट्टा,युवक गिरफ्तार

भिलाई, 19 अप्रैल (तछसं.)। भिलाई ऑनलाइन सट्टा का संचालन करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है घटना वैशाली नगर थाना क्षेत्र की है मुखबिर की सूचना पर जवाहर नगर पुलिया के पास कल्याण, राजधानी नामक सट्टा गेम में अंकों पर रुपये का दांव लगाया जा रहा था पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दीपनगर निवासी संजय कुमार प्रसाद उर्फ पंडित को पकड़ा आरोपी अपने मोबाइल फोन से सट्टा संचालन करना और अन्य व्यक्तियों से संपर्क कर लेनदेन करना स्वीकार किया है पुलिस ने मोबाइल फोन, 17 हजार नगद राशि, सट्टा से जुड़े डिजिटल साक्ष्य, मोबाइल जब्त किया गया कुल 46 हजार रुपए का सामान मिला है

आस्था वृद्धाश्रम के प्रयास से एम्स रायपुर में 9 बुजुर्गों के सफल ऑपरेशन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 19 अप्रैल। आस्था वृद्ध आश्रम के प्रयासों से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर में अब तक 9 वृद्धजनों के जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए जा चुके हैं, जिनमें से 7 बुजुर्ग पुनः चलने-फिरने लगे हैं। संस्था के संचालक प्रकाश गेडाम ने बताया कि हाल ही में 82 वर्षीय एक वृद्धा, जो मोतियाबिंद, लकवा और कमर-पैर की हड्डी टूटने से पीड़ित थीं, उनका एम्स रायपुर में सफल ऑपरेशन किया गया। इससे पहले उनकी एक आंख का ऑपरेशन सेक्टर-9 अस्पताल में कराया गया था। एम्स के डॉ. अग्रवाल, विभागाध्यक्ष डॉ. सकरकर एवं उनकी टीम के प्रयास से ऑपरेशन पूर्णतः सफल रहा। चिकित्सकों के अनुसार वृद्धा आगामी दो माह में चलने-फिरने में सक्षम हो जाएंगी। उन्होंने बताया कि अब तक आश्रम के माध्यम से चार पुरुष एवं चार महिलाओं के ऑपरेशन सफल हो चुके हैं, जो वर्तमान में सामान्य जीवन व्यतीत कर रहे हैं। वहीं, करीब दो वर्ष पूर्व ऑपरेशन कराने वाली दो महिलाओं का बाद में स्वाभाविक निधन हो गया। इस प्रकार कुल 9 वृद्धजनों को संस्था के प्रयासों से नया जीवन मिला है। प्रकाश ने सभी सफल ऑपरेशनों के लिए एम्स रायपुर के चिकित्सकों एवं स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग के बिना यह संभव नहीं था। उन्होंने ईश्वर से वर्तमान में भर्ती वृद्धा के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

हज पर जा रहे खुशकिस्मतों का इस्तकबाल आज

भिलाई, 19 अप्रैल। हज के सफर पर रवाना होने जा रहे दुर्ग-भिलाई क्षेत्र के हुज्जाज किराम के सम्मान में आज रविवार को इस्तकबालिया कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम शांति नगर में आयोजित होगा। कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए ट्रांसपोर्टर एवं समाजसेवी अब्दुल गनी खान तथा हज़रत बिलाल मस्जिद हुडको के सदर शाहिद अहमद रज्जन ने बताया कि कार्यक्रम बाद नमाज-ए-ईशा रात 8:30 बजे से प्रारंभ होगा।

कुम्हारी में बड़ी धूमधाम से मनाई गई बाबा साहब की जयंती

अंवरी । ग्राम कुम्हारी में संविधान शिल्पी भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई7 ग्रामीणों ने जयंती के आयोजन मे जन जागरूकता अभियान की शुरुआत की और संविधान के उद्देशिका का सामूहिक वाचन कर भारतीय समाज की प्रगतिशीलता पर जोर दिया।

समाचार संक्षेप

करते में आस्था ने जीते दो रजत पदक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 19 अप्रैल। श्रीरामकृष्ण पब्लिक स्कूल की छात्रा आस्था सिंह ठाकुर ने जीते दो रजत पदकविगत दिनों दिशा पब्लिक स्कूल, रायपुर द्वारा 11 एवं 12 अप्रैल को ओपन स्टेट कराटे चैंपियनशिप का भव्य आयोजन किया गया। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेशभर से लगभग 450 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।कड़े प्रतिस्पर्धात्मक माहौल के बीच श्री रामकृष्ण पब्लिक स्कूल की प्रतिभाशाली छात्रा आस्था सिंह ठाकुर ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और आत्मविश्वास का बेहतरीन परिचय दिया। आस्था ने कुमिते एवं काता दोनों ही स्पर्धाओं में दमदार प्रदर्शन करते हुए शानदार मुकाबले खेले और दोनों ही इवेंट में रजत पदक (सिल्वर मेडल) हासिल कर विद्यालय, परिवार एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया।आस्था की इस उपलब्धि से विद्यालय में हर्ष और गर्व का वातावरण है। उनकी सफलता न केवल अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि कड़ी मेहनत और समर्पण से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय के प्रबंधक श्री आदित्य चंद्रवंशी, प्राचार्या श्रीमती एम. शारदा तथा समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं स्टाफ ने आस्था सिंह ठाकुर को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि आस्था भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं देश का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगी।

महतारी वंदन में केवाईसी नाम काटने का बहानाः द्वारिका साहू

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 19 अप्रैल। जिला दुर्ग कांग्रेस कमेटीदुर्ग ग्रामीण प्रवक्ता द्वारिका साहू ने महतारी वंदन योजना में केवाईसी के नाम पर महिलाओं के नाम काटने का बहाना बताया उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव में सभी विवाहित महिलाओं को प्रति माह 1000 देने का वादा किया था लेकिन चुनाव के बाद से लाखों बहनों का विवाह हुए हैं वह इस महतारी वंदन योजना से वंचित रह रहे हैं जिस पर आज तक भाजपा के साय सरकार ने कोई पहल नहीं किया बाद में शर्तें लगाई गई दुर्ग जिला प्रवक्ता ने बताया कि पहली किस्त में 75 लाख महिलाओं को राशि मिली जो जो धीरे-धीरे घटकर 69 लाख रह गई अप्रैल मई जून की भीषण गर्मी में केवाईसी के नाम पर महिलाओं को परेशान करने और लाभ से वंचित करने का आरोप लगाया साहू ने भाजपा की साय सरकार से मांग किया छत्तीसगढ़ के प्रत्येक महतारी वंदन लाभ लेने वाली महिलाओं के साथ साथ नव विवाहित बहनों को भी इस योजना का लाभ मिले ।

डॉक्टर और कलेक्टर बनने की चाह बच्चों में

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 19 अप्रैल। टी कवर्धा की पीहू चंद्रवंशी ने सीबीएसई कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षा में 97 प्रतिशत अंक अर्जित कर शानदार सफलता हासिल की है। श्री रामकृष्ण पब्लिक स्कूल की छात्रा मेघा, राजू चंद्रवंशी और दुर्गा चंद्रवंशी की सुपुत्री हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, विद्यालय और पूरे क्षेत्र में हर्ष और गर्व का माहौल है। पीहू ने बताया की मेरा सपना डॉक्टर बनकर समाज सेवा करना उद्देश्य है । विजय चंद्रवंशी और अनीता चंद्रवंशी की सुपुत्री शिवांगी चंद्रवंशी ने बताया की अशोका पब्लिक स्कूल में पढ़ती हूं । क्लास 2 में शानदार सफलता अर्जित की । शिवांगी ने बताया की डॉक्टर बनना मेरा सपना है । संजू चंद्रवंशी और सोमनी चंद्रवंशी के सुपुत्र क्लास वन में 90 प्रतिशत लाकर शानदार सफलता अर्जित की है । अभ्युदय स्कूल कवर्धा में अध्ययनरत है । तरुण छत्तीसगढ़ पत्रकार ने सार्थक चंद्रवंशी से सवाल किया की आपका सपना क्या है । जवाब में सार्थक ने कहा की कलेक्टर बनना मेरा सपना है ।

पक्षियों के लिए बर्तन में पानी अवश्य रखें,व्यापारियों ने की अपील

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 19 अप्रैल। तेज धूप सुबह से बढ़ती हुई कवर्धा में देखी जाती है ओर पक्षियों , गो माता को भी पेयजल अच्छे से मिले जिसके लिए भोरमदेव शक्कर कारखाना पूर्व डायरेक्टर लक्की चंद्रवंशी , बिजनेस मैन आनंद चंद्रवंशी , बिजनेसमैन घनश्याम गुप्ता, बिजनेसमैन चंद्रशेखर चंद्रवंशी ने जिलेवासियों से विनम्र अपील की घर के प्रांगण में बर्तन में पानी अवश्य रखे जिससे पक्षियों , गो माता को अच्छे से पानी पीने को मिलेगा क्योंकि जल ही जीवन है ।

हिंदी भाषा की समावेशी प्रकृति ने फिल्मी गीतों से जन-जन तक पहुंच बनाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 19 अप्रैल। नगर सेवाएँ भवन सभागार में हिन्दी फिल्मी गीतों का योगदान, राजभाषा के प्रसार में विषय पर एक विचारोत्तेजक राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ उप महाप्रबंधक राघवेन्द्र गर्ग के सानिध्य में अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। संगोष्ठी में अतिथि के रूप में उप महाप्रबंधक यशवन्त कुमार साहू एवं उप प्रबंधक जितेन्द्र दास मानिकपुरी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में साहू ने वर्ष 1913 से 2023 तक के हिन्दी फिल्मी गीतों, भजनों एवं ग़ज़लों के माध्यम से हिन्दी भाषा के प्रसार के विविध आयामों को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि हिन्दी भाषा की समावेशी प्रकृति ने फिल्मी गीतों के जरिए जन-जन तक अपनी पहुंच बनाई है। संगोष्ठी में वक्ता के रूप में केदारनाथ सोनबेर, समरजीत दत्ता, लक्ष्मीनारायण दुबे, आर. शेषाद्रि अय्यर, नन्दकिशोर बोरकर एवं सुश्री वर्चला शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। संचालन विभागीय हिन्दी समन्वय अधिकारी मुकुन्द दास मानिकपुरी ने किया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में अतिथियों का सम्मान किया गया तथा वक्ताओं एवं सक्रिय सहभागियों को पुरस्कृत किया गया। महाप्रबंधक के.के. यादव ने पुरस्कार वितरित किए। उप प्रबंधक नन्द किशोर ने

ईटीआई कार्यक्रम के तीसरे दिन कई सत्रों में दिया प्रशिक्षण

भिलाई, 19 अप्रैल। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय द्वारा पोटिया कला में आयोजित सात दिवसीय ई.टी.आई. कार्यक्रम के तृतीय दिवस पर विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम एवं द्वितीय सत्र में नुतेश्वर वर्मा द्वारा पी.एफ.एम.एस. से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई तथा प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। तृतीय एवं चतुर्थ सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आर. पी. अग्रवाल ने राष्ट्रीय सेवा योजना की नियमित गतिविधियों एवं विशेष शिविरों के संचालन के संबंध में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कार्यक्रम आयोजन के दौरान आवश्यक सावधानियों पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्तमान कार्यक्रम समन्वयक जैनेन्द्र दीवान के नेतृत्व में संचालित हो रहा है। तृतीय दिवस के समस्त सत्रों का संचालन इंद्रावती समूह द्वारा किया गया, जिसमें डॉ. चांदनी मरकाम, वजन साहू, विनोद, भारतेन्दु, किशोर, श्रीमती नीलम चंद्रवंशी एवं रत्नम मैडम ने सक्रिय भूमिका निभाई।

लंबित जीपीएफ,एनपीएस का भुगतान होने से कर्मचारी खुश

दुर्ग, 19 अप्रैल। नगर पालिक निगम, दुर्ग द्वारा अधिकारी एवं कर्मचारियों के हित में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए लंबित जी.पी.एफ एवं एन.पी.एस की राशि का भुगतान कर दिया गया है। आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशन में मई 2025 से फरवरी 2026 तक के 10 माह की राशि, लगभग 2 करोड़ 26 लाख रुपये, संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों के खातों में सफलतापूर्वक अंतरित की गई।

इसके साथ ही सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हित में भी निगम प्रशासन द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। लगभग 1.5 करोड़ रुपये की उपादान (ग्रेच्युटी) राशि सेवानिवृत्त कर्मचारियों के खातों में जमा की गई है, जिससे उन्हें आर्थिक राहत मिली है। अवकाश नगदीकरण के संबंध में भी आयुक्त द्वारा तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों के खाते में 66.50 लाख जमा कर दिया गया. तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों सहित प्रथम एवं द्वितीय वर्ग के अधिकारियों के अवकाश नगदीकरण की राशि सोमवार को उनके खातों में जमा कर दी जाएगी।

जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर निगम आयुक्त ने ली समीक्षा बैठक

दुर्ग,19 अप्रैल । नगर पालिक निगम दुर्ग में जनगणना-2027 की तैयारियों के तहत निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल की अध्यक्षता में डाटा सेंटर में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नोडल अधिकारी, प्रभारी अधिकारी (जनगणना) एवं चार्ज अधिकारियों की उपस्थिति में जनगणना कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

स्व-गणना सुविधा से नागरिकों को मिलेगा लाभ बैठक में बताया गया कि नागरिकों की सुविधा हेतु स्व-गणना (Self Enumeration) की व्यवस्था आधिकारिक पोर्टल https://se.census.gov.in पर 16 अप्रैल से ×0 अप्रैल तक उपलब्ध है। इसके माध्यम से नागरिक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं, जिससे प्रक्रिया और अधिक सरल एवं पारदर्शी बनेगी।आयुक्त सह प्रमुख नगर जनगणना अधिकारी श्री अग्रवाल ने निर्देश दिए कि जनगणना कार्य पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वार्डवार घर-घर जाकर नंबरिंग सुनिश्चित करें और ध्यान रखें कि कोई भी घर छूटने न पाए। आमजन की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। निगम के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को स्व गणना करने हेतु आदेशित किए कंट्रोल रूम स्थापना व प्रगणकों को सामग्री प्राप्ति उपरांत तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए आयुक्त ने डाटा सेंटर में कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रगणकों को जनगणना किट, निर्देश पुस्तिका एवं आवश्यक सामग्री समय पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।बैठक में उपायुक्त एवम् चार्ज अधिकारी मोहेंद्र साहू सहित गिरीश दीवान, संजय ठाकुर, राजेन्द्र ढबाले, आर.के. बोरकर, दुर्गेश गुप्ता, एस.के. केवलानी, हरिशंकर साहू, पंकज साहू, करण यादव, अपर्णा मिश्रा, उपयन्ति ठाकुर, प्रेरणा दुबे, सिद्धार्थ शर्मा, नारायण यादव, पंकज चन्द्रवंशी एवं गौतम साहू सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

वालंटियर्स की सहभागिता से जागरूकता अभियान को मिलेगा बल

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर राज्यभर में रंगारंग कार्यक्रम

रायपुर, 19 अप्रैल। विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर आगामी 8 मई को राज्य स्तर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में रेडक्रॉस राज्य शाखा, रायपुर के चेयरमैन तोमन साहू की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस भवन में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि इस विशेष अवसर पर समूह नृत्य, प्रहसन एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रदेशभर के रेडक्रॉस वालंटियर्स भाग लेंगे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के आधार पर पुरस्कृत किया जाएगा।

इस दौरान रेडक्रॉस की गतिविधियों के सुचारू संचालन हेतु विस्तृत कार्ययोजना भी तैयार कर जारी की गई। योजना में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने, विशेष अवसरों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा अधिक से अधिक लोगों को प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) का प्रशिक्षण देने पर जोर दिया गया है। साथ ही, रक्तदान शिविरों का व्यापक आयोजन कर रक्त की आवश्यकता की पूर्ति सुनिश्चित करने और रक्तदान महादान के संदेश को सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

जूनियर रेडक्रॉस एवं यूथ रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से विद्यार्थियों को रचनात्मक और सेवा आधारित गतिविधियों से जोड़ने की भी योजना बनाई गई है, जिससे उनमें मानवीय मूल्यों और सेवा भाव का विकास हो सके। जिला शिक्षा अधिकारियों को माहवार गतिविधियों के प्रभावी संचालन के निर्देश दिए गए हैं।

कार्ययोजना में शैक्षणिक भ्रमण, प्राकृतिक अध्ययन, प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण, काउंसलर प्रशिक्षण, ट्रैकिंग कार्यक्रम, पर्यावरण संरक्षण जागरूकता, रक्तदाता दिवस, विश्व योग दिवस, जनसंख्या दिवस, साक्षरता दिवस, अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस, दिव्यांग दिवस, आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण सहित विभिन्न कार्यक्रमों को शामिल किया गया है। साथ ही, विद्यार्थियों को नई दिल्ली में लोकसभा एवं राज्यसभा की कार्यप्रणाली से अवगत कराने के लिए शैक्षणिक भ्रमण भी प्रस्तावित है। बैठक में चेयरमैन तोमन साहू, कोषाध्यक्ष संजय पटेल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

महिला अधिकारों पर विपक्ष की राजनीति उजागर, देश की आधी आबादी का हुआ अपमान : बृजमोहन

महिला सशक्तिकरण पर राजनीति क्यों, विपक्ष ने ऐतिहासिक अवसर गंवाया

रायपुर, 19 अप्रैल। रायपुर लोकसभा सांसद और वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक के पारित न हो पाने पर विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने इस घटनाक्रम को लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इस बिल के गिरने से विपक्ष का असली चेहरा देश की महिलाओं के सामने बेनकाब हो गया है। अग्रवाल ने कहा कि यह केवल एक विधेयक का रुकना नहीं है, बल्कि यह पूरे विपक्ष की सोच और प्रतिबद्धता का पर्दाफाश है। जब 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम सर्वसम्मति से पारित हुआ था, तब स्वयं विपक्षी दलों ने इसकी शीघ्र क्रियान्वयन की मांग की थी। लेकिन जब सरकार ने महिलाओं को शीघ्र लाभ देने के उद्देश्य से पहल की, तब वही विपक्ष अपने स्वार्थों के कारण पीछे हट गया।

उन्होंने कहा कि संविधान संशोधन के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह समेत सरकार को यह विश्वास था कि महिला सशक्तिकरण जैसे विषय पर कोई राजनीति नहीं होगी। किंतु कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने अपनी कुटिल मंशा उजागर करते हुए इस ऐतिहासिक अवसर को बाधित किया। अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम पहले ही पारित हो चुका है और लागू है। जनगणना एवं परिसीमन की प्रक्रिया के कारण उसके क्रियान्वयन में समय का प्रावधान था, जिसे ध्यान में रखते हुए वर्तमान पहल की गई थी। इसमें कोई नई या विवादित बात नहीं थी, बल्कि महिलाओं को जल्द से जल्द उनका अधिकार देने की मंशा थी।

विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को निराधार बताते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी महिलाओं के हितों के प्रति केवल प्रतिबद्ध नहीं, बल्कि निरंतर कार्यरत है। भाजपा ने पहले भी महिलाओं के अधिकारों के लिए ठोस कदम उठाए हैं और आगे भी उठाती रहेगी। अग्रवाल ने कहा कि देश की महिलाएं सब कुछ देख रही हैं और समय आने पर इस अवसर को बाधित करने वालों को उचित जवाब देंगी। यह घटना विपक्ष की गिरती साख और जनता से दूर होती सोच का प्रमाण है।

एक नजर

वेदांता हादसा : जांच से पहले एफआईआर में अनिल अग्रवाल का नाम गलतः नवीन जिंदल

रायपुर, 19 अप्रैल। छत्तीसगढ़ के सिंहितराई में हुए बॉयलर ब्लास्ट हादसे को लेकर लोकसभा सांसद और उद्योगपति नवीन जिंदल ने वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के समर्थन में बयान दिया है। उन्होंने हादसे को बेहद दुखद बताते हुए कहा कि प्रभावित परिवारों को मुआवजा और पूरी जांच मिलनी चाहिए। साथ ही, बिना जांच के अनिल अग्रवाल का नाम स्रढ्ढक्रमें शामिल करने पर सवाल उठाते हुए इसे उचित प्रक्रिया के खिलाफबताया। जिंदल ने कहा कि पहले जांच कर साक्ष्यों के आधार पर जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने उद्योग संगठनों से भी इस मुद्दे पर आवाज उठाने की अपील की और कहा कि निवेशकों का भरोसा बनाए रखना जरूरी है।

7 लोगों की मृत्यु होने पर आश्रितों के लिए सहायता राशि स्वीकृत

राजनांदगांव, 19 अप्रैल। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जितेन्द्र यादव ने आरबीसी 6-4 के तहत 7 लोगों की मृत्यु होने पर आश्रितों को 28 लाख रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। जिसके तहत डोंगरगांव तहसील के ग्राम टेका निवासी रमेश कुमार वर्मा की सर्पदंश से जनहानि, डोंगरगढ़ तहसील के केन्द्रीय कालोनी निवासी सागर की गंगरेल डेम के पानी में डूबने से जनहानि, छुरिया तहसील के ग्राम पुर्रामटोला निवासी भारती यादव की सर्पदंश से जनहानि, छुरिया तहसील के ग्राम टिपानगढ़ निवासी अगनूराम की आंधी-तुफ़ान से पेड़ की डंगाल गिरने से जनहानि, राजनांदगांव तहसील के ग्राम बिरेझर निवासी डाकेश्वर पटेल की आकाशीय बिजली गिरने से जनहानि, डोंगरगांव तहसील के ग्राम आरगांव निवासी वंश कुमार कन्नोज की सर्पदंश से जनहानि, डोंगरगांव तहसील के ग्राम सेवताटोला निवासी अनिरूद्ध पाठक की नदी में बह जाने से नदी के पानी में डूबने से जनहानि होने पर आश्रितों को 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

पोषण अभियान अंतर्गत पोषण पखवाड़े में 1426 बच्चों को अन्नप्राशन कराया

राजनांदगांव, 19 अप्रैल। पोषण अभियान के तहत जिले में 9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 तक पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 16 अप्रैल को जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में अन्नप्राशन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 6 माह की आयु पूर्ण कर चुके 1426 बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों में 6 माह की आयु पूर्ण करने वाले बच्चों को चिन्हांकित कर उनके अभिभावकों को आमंत्रित किया गया। अभिभावकों को शिशुओं के लिए ऊपरी आहार प्रारंभ करने के महत्व की जानकारी दी गई तथा 6 माह की आयु पूर्ण होने पर बच्चों को पूरक आहार देने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर ऊपरी आहार की गुणवत्ता एवं विविधता पर विशेष चर्चा की गई। साथ ही पोषक आहार से संबंधित व्यंजनों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। जिससे अभिभावकों को संतुलित आहार की जानकारी मिल सके। कार्यक्रम के अंत में अभिभावकों को बच्चों के बेहतर पोषण हेतु शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, समुदाय के सदस्य एवं बच्चों के अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

देवखोल में अवैध सुरंगों को ध्वस्त कर संयुक्त टीम ने किया 6 टन से अधिक कोयला जब्त

अभियान चलाकर ताबड़तोड़ छापेमारी की, सुरंगों में घुसकर कार्रवाइ की, उपकरण भी बरामद, प्रशासन ने बढ़ाई सख्ती

रायपुर, 19 अप्रैल। कोरिया जिला के पटना तहसील अंतर्गत देवखोल जंगल में अवैध कोयला उत्खनन के खिलाफ प्रशासन ने व्यापक कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में कोयला जब्त किया है। खनिज, वन, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने शनिवार को सुबह से सघन अभियान चलाकर अवैध सुरंगों को ध्वस्त किया और मौके से करीब 150 बोरी यानी 6 टन 61 किलो अवैध कोयला बरामद किया।

जिले में गठित टास्क फोर्स के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान में एसडीएम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। टीम ने सुरंगों के भीतर प्रवेश कर कार्रवाई की और कोयले के साथ-साथ फावड़ा, गेती, विद्युत पंप, फुटबॉल पाइप तथा बड़ी मात्रा में बिजली के तार भी जब्त किए। इससे यह स्पष्ट होता है कि अवैध उत्खनन संगठित रूप से संचालित किया जा रहा था।

कानूनी प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज

इस मामले में छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 की धारा 71 तथा खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पहले भी बंद की गई खदानें, फिर दोहराई जा रही गतिविधियां

वन विभाग के अनुसार देवखोल क्षेत्र में पूर्व में भी अवैध खदानों को ब्लास्ट कर बंद किया गया था। एसईसीएल के माध्यम से सुरंगों को सील करने की कार्रवाई लगातार की जा रही है, लेकिन कुछ लोग इन्हें दोबारा खोलने का प्रयास करते हैं। हाल ही में पटना पुलिस द्वारा भी 3 टन 200 किलो अवैध कोयला जब्त कर बीएनएस की धारा 106 के तहत अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

प्रशासन की सख्ती लगातार निगरानी

जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध कोयला उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। शिकायत प्राप्त होते ही तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। वनमंडलाधिकारी ने भी कहा कि ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए नियमित अभियान चलाया जाएगा और आगे और सख्ती बरती जाएगी।

ग्रामीणों के लिए रोजगार के विकल्प उपलब्ध

प्रशासन का कहना है कि क्षेत्र में आजीविका के पर्याप्त साधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि लोग अवैध गतिविधियों से दूर रहें। वी-बीजी रामजी (विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन) के तहत स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार प्रदान किया जा रहा है। ग्राम पंचायत मुरमा एवं आसपास के क्षेत्रों में 20.07 लाख रुपये के विकास कार्य स्वीकृत हैं, जिनमें भूमि समतलीकरण, डबरी निर्माण और तालाब गहरीकरण शामिल हैं। इसके अतिरिक्त वर्ष 2026-27 के लिए लगभग 54 लाख रुपये के 30 कार्य प्रस्तावित हैं, जिन्हें मांग के आधार पर क्रियान्वित किया जाएगा।

कलेक्टर ने दिया वैकल्पिक आजीविका पर जोर

जिला कलेक्टर ने इस जोखिमपूर्ण कार्य से ग्रामीणों को दूर रहने की अपील करते हुए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध रोजगार के अवसरों और स्किल डेवलपमेंट के माध्यम से स्व-रोजगार को बढ़ावा देने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए जिला पंचायत के सीईओ को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

रास्ते के विवाद में गाली, धमकी और बेरहमी से मारपीट, आरोपी गिरफ्तार

भाटापारा, 19 अप्रैल। ग्राम परसवानी में एक मामूली रास्ते का विवाद अचानक हिंसा में बदल गया और देखते ही देखते गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी और बेरहमी से मारपीट की वारदात ने पूरे गांव को दहला दिया।

मामला 7 अप्रैल 2026 की शाम करीब 6 बजे का है जब प्रार्थी मालिक राम यादव के पुत्र ने काम से लौटते समय आरोपी के घर के सामने बने रेक पर ट्रैक्टर का चक्का चढ़ा दिया, इसी बात को लेकर विवाद भड़क उठा और आरोपी प्रमोद कुमार धृतलहरे उम्र 27 वर्ष अपने परिवार के साथ मिलकर प्रार्थी और उसके परिवार का रास्ता रोक लिया, पहले अश्लील गालियां दी गईं फिर जान से मारने की धमकी दी गई और उसके बाद लाठी-डंडों से हमला कर गंभीर चोट पहुंचाई गई, घटना के बाद पीड़ित ने थाना भाटापारा ग्रामीण में रिपोर्ट दर्ज कराई जिस पर अपराध क्रमांक 177/2026 धारा 127(1), 296, 115(2), 351(2), 109, 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की, पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास मौजूद स्वतंत्र गवाहों, पीड़ित और उसके परिवार से पूछताछ की, साक्ष्य जुटाए और आरोपी तक पहुंच बनाई, पूछताछ में आरोपी प्रमोद कुमार धृतलहरे ने अपने परिवार के साथ मिलकर मारपीट करने की बात स्वीकार कर ली जिसके बाद 17 अप्रैल 2026 को उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू की गई, मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है और पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

श्री तिरुपति बालाजी मंदिर में दो दिवसीय भव्य आयोजन

महाअभिषेक, दीपोत्सव व दिव्य विवाह महोत्सव का अनूठा संगम

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 19 अप्रैल। तिरुपति बालाजी मंदिर, स्टेशन पारा, ओवर ब्रिज के नीचे, में दो दिवसीय भव्य आयोजन किया जा रहा है। जिसमे 19 अप्रैल को प्रातः 9 बजे से 108 कलश एवं मंत्रोच्चार के साथ भगवान वेंकटेश्वर (बालाजी) का महाअभिषेक किया जाएगा। उक्त अवसर पर मात्र 108 भक्तजनों को ही सपरिवार उपस्थित होकर अपने नाम एवं गोत्र के साथ संकल्प कर महाअभिषेक करने का पुण्य लाभ प्राप्त होगा। अतः भक्तजन अभिषेक हेतु यथाशीघ्र अपना रजिस्ट्रेशन करवाएं। अभिषेक के पश्चात भगवान बालाजी का चन्दन के साथ विशेष श्रृंगार किया जाएगा। जिसमे भक्तजनों को भगवान वेंकटेश्वर (बालाजी) के मंत्रमुग्ध स्वरूप के दर्शन का अविस्मरणीय अवसर प्राप्त होगा। उक्त श्रृंगार एवं महाअभिषेक हेतु दक्षिण भारतीय विशिष्ट पंडितों को आमंत्रित किया गया है। विवाह कि पूर्व संध्या 19 अप्रैल को 7 बजे दीपोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत सम्पूर्ण मंदिर दीपक कि रौशनी से जगमगाएगा। जिसमे भक्तजनों को मंदिर कि अलौकिक छबी देखने का अवसर प्राप्त होगा। दीपोत्सव के पश्चात शाम 7:30 बजे भगवान कि महाआरती का आयोजन किया गया है। महाआरती के पश्चात् भक्तजनों द्वारा भगवान को अर्पित छप्पन भोग प्रसादी का वितरण किया जाएगा। 20 अप्रैल को प्रातः 9:30 बजे से भगवान बालाजी का माता श्रीदेवी एवं भूदेवी संग पूर्ण विधि विधान के साथ विवाह का आयोजन किया जाएगा। जिसमे तीन मुख्य यजमान सपत्नीक उपस्थित होकर विवाह सेवा का पूण्य लाभ अर्जित करेंगे। विवाह के पश्चात् दोपहर 12:30 बजे से भक्तजनों हेतु महाप्रसादी (भण्डारा) का आयोजन किया गया है। समस्त भक्तजन सपरिवार, इष्ट मित्रों सहित उपस्थित होकर भगवान बालाजी का आशीर्वाद एवं महाप्रसाद ग्रहण करें।

हाईटेक आईपीएल सट्टा रैकेट का मास्टरमाइंड नागपुर से गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 19 अप्रैल। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में पुलिस ने ऑनलाइन आईपीएल सट्टा रैकेट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उसके मुख्य मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर लिया है। थाना बसंतपुर और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने यह सफलता हासिल की।

पुलिस के अनुसार, सादिक खान (34 वर्ष), निवासी मानकापुर, नागपुर, पिछले करीब दो वर्षों से सांई ऐप के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा संचालन में सक्रिय था। वह इस ऐप के जरिए सट्टा लगाने वालों को ID और पासवर्ड उपलब्ध कराता था और इसके बदले 5,000 से 10,000 रुपये तक वसूलता था। इसके अलावा तकनीकी समस्या ठीक करने के नाम पर भी 2,000 से 3,000 रुपये तक ऑनलाइन भुगतान के जरिए लेता था।

इससे पहले 6 अप्रैल 2026 को मोहारा नाला के पास संचालित हाईटेक सट्टा रैकेट का खुलासा करते हुए पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपियों में वीरू प्रजापति, रूपेश पांडे, आयुष मेश्राम, मोहित देवांगन, लक्की देवांगन उर्फ नरेंद्र देवांगन और मूलचंद प्रजापति शामिल हैं। इनके पास से लैपटॉप, मोबाइल, नकदी और सट्टा सामग्री सहित करीब 5.5 लाख रुपये की जब्ती की गई थी। मुख्य आरोपी सादिक खान घटना के बाद से फरार चल रहा था। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उसके नागपुर में होने की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में विशेष टीम गठित कर उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। इस मामले में थाना बसंतपुर में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई में साइबर सेल और थाना बसंतपुर की टीम, जिसमें निरीक्षक विनय पम्मारम, निरीक्षक एमन साहू सहित अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अगर चाहें तो मैं इसे और भी छोटा (हेडलाइंस स्टाइल), टीवी स्क्रिप्ट या सोशल मीडिया पोस्ट के रूप में भी बदल सकता हूँ।

अवमानक व मिथ्याछाप पान मसाला संचालक पर 1.25 लाख का जुर्माना

राजनांदगांव, 18 अप्रैल। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत अवमानक एवं मिथ्याछाप खाद्य पदार्थों के विरूद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी एवं न्याय निर्णयन अधिकारी श्री सीएल मार्कण्डेय ने ग्राम जोरातराई निवासी भंवरलाल चौधरी, दीपक नगर जिला दुर्ग निवासी राम जुमनानी एवं गुरूमुख जुमनानी द्वारा अवमानक एवं मिथ्याछाप पान मसाला निर्माण करने पर 1 लाख 25 हजार रूपए का अर्थदण्ड अधिरोपित किया है।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी एवं न्याय निर्णयन अधिकारी राजनांदगांव से प्राप्त जानकारी के अनुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम जोरातराई के कोपेडीह मार्ग स्थित पान मसाला निर्माण इकाई का निरीक्षण कर पान मसाला एवं अन्य खाद्य सामग्रियों के नमूने लिए गए, जिनमें अनियमितता पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के विरूद्ध प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा निरीक्षण के दौरान पान मसाला (खुला), कत्था पाउडर (खुला), तंबाकू, भूनी हुई सुपाडी, ठण्डाई, एलपी प्लस एसेंस खुला, लाइम पाउडर पैक्ड, केसर युक्त सितार, माणिकचंद, प्रीमियम वजीर गोल्ड पान मसाला पदार्थ सहित अन्य सामग्री के नमूने संदेह के आधार पर एकत्रित कर राज्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए थे। प्रयोगशाला जांच में उक्त नमूने अवमानक एवं मिथ्याछाप पाए गए। जिसका जांच प्रकरण तैयार कर अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी एवं न्याय निर्णयन अधिकारी के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी एवं न्याय निर्णयन अधिकारी श्री सीएल मार्कण्डेय द्वारा प्रकरण की सुनवाई के पश्चात संबंधित संचालक ग्राम जोरातराई निवासी भंवरलाल चौधरी, दीपक नगर जिला दुर्ग निवासी राम जुमनानी एवं गुरूमुख जुमनानी को दोषी पाते हुए कुल 1 लाख 25 हजार रूपए का अर्थदंड अधिरोपित किया गया।

विश्व धरोहर दिवस पर रायपुर में दिखी विरासत की अनोखी झलक

- संरक्षण पर विशेषज्ञों का मंथन, महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय में चित्र प्रदर्शनी व व्याख्यान
- सोमनाथ से छत्तीसगढ़ के मंदिरों तक सांस्कृतिक यात्रा, आपदा के दौर में धरोहर संरक्षण पर जोर

रायपुर, 19 अप्रैल। संस्कृति विभाग अंतर्गत पुरातत्त्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय, रायपुर द्वारा विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय में चित्र प्रदर्शनी एवं व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं संचालक पुरातत्व एवं संस्कृति विवेक आचार्य के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के वरिष्ठ इतिहासकार प्रो. रमेंद्रनाथ मिश्र, अतिथि वक्ता डॉ. राम सतीश पुसुपुलेटी तथा पवन जोशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्वानों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और आम नागरिकों की सहभागिता रही।

संचालनालय द्वारा प्रतिवर्ष विश्व धरोहर दिवस पर ऐतिहासिक स्मारकों, सांस्कृतिक स्थलों एवं परंपराओं के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी क्रम में इस वर्ष भी प्रदर्शनी और व्याख्यान के माध्यम से विरासत संरक्षण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणादायक पहल सोमनाथ स्वाभिमान पर्व-अटूट आस्था के 1000 वर्ष का अनुसरण करते हुए कला वीथिका में विशेष चित्र प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी में सोमनाथ मंदिर के 19वीं, 20वीं और 21वीं सदी के चित्रों के माध्यम से उसके ऐतिहासिक विकास, स्थापत्य परिवर्तन और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाया गया।

इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के प्रमुख शिव मंदिरों की स्थापत्य कला को प्रदर्शित करते चित्र भी आकर्षण का केंद्र रहे। स्थानीय धरोहरों को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से जोड़ने का यह प्रयास दर्शकों के लिए विशेष रूप से ज्ञानवर्धक रहा। इस वर्ष विश्व धरोहर दिवस 2026 की थीम इमरजेंसी रिस्पॉन्स फॉर लिविंग हेरिटेज इन कॉन्टेक्स्ट ऑफ कॉन्फ्लिक्ट एंड डिजास्टर्स पर आधारित व्याख्यान सत्र भी आयोजित किया गया। इसमें नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. संतोष कुमार, आईआईटी रुड़की के प्रोफेसर डॉ. राम सतीश पुसुपुलेटी तथा नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स के डिप्टी कमांडेंट पवन जोशी ने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए।

विशेषज्ञों ने मूर्त एवं अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरों पर मंडराते खतरों, उनके प्रकार, संरक्षण की चुनौतियों तथा आपदा प्रबंधन के प्रभावी उपायों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि धरोहर संरक्षण में शासन के साथ-साथ स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में प्रदेश के प्रमुख मंदिरों–दंतेश्वरी मंदिर दंतेवाड़ा, महामाया मंदिर रतनपुर, राजीवलोचन मंदिर राजिम, सहसपुर स्थित शिव एवं बजरंगबली मंदिर तथा लक्ष्मणेश्वर मंदिर खरौद के ट्रस्ट एवं समिति के पदाधिकारियों ने भी सहभागिता की।

17 वरिष्ठ नागरिकों का एम्स रायपुर में होगा निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन

विशेष बस से एम्स के लिए किया गया रवाना

राजनांदगांव, 19 अप्रैल। अटल वयो अभ्युदय योजना अंतर्गत मोतियाबिंद मुक्त भारत अभियान के तहत डोंगरगांव विकासखंड के 17 वरिष्ठ नागरिकों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए उनके परिजनों के साथ विशेष बस से एम्स हास्पिटल (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) रायपुर के लिए रवाना किया गया। एम्स हॉस्पिटल में विषय विशेषज्ञों द्वारा जांच उपरान्त वरिष्ठ नागरिकों का निःशुल्क मोतियाबिंद आपरेशन किया जाएगा। अत्याधुनिक सुविधाओं से लेंस एम्स हास्पिटल में विशेष मेडिकल टीम की निगरानी में आपरेशन किया जाएगा। उप संचालक समाज कल्याण श्रीमती वैशाली मरडवार ने बताया कि अटल वयो अभ्युदय योजना अंतर्गत मोतियाबिंद मुक्त भारत अभियान के तहत जिले को 100 वयो वृद्धजनों के मोतियाबिन्द आपरेशन कराने का लक्ष्य रखा गया है। जिसके तहत जिले के सभी विकास खण्डों में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 60 वर्ष व 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों का कुशल नेत्र सहायकों द्वारा नेत्र परीक्षण कराया गया। प्रथम चरण में 25 वरिष्ठ नागरिकों का एम्स रायपुर में परीक्षण उपरान्त सफल आपरेशन किया गया है।

महिला आरक्षण गेंद विपक्ष के पाले में

राजनीति में होशियार वह होता है जो सही समय पर सही चाल चलता है ओर सामने वाले को सोचने को मजबूर कर देता है कि यह चाल चली क्यों गई हैं और इसकी काट क्या है। जब सामने वाला चाल की काट सोचता है तो लगता है कि वह सामने वाली की चाल में फंस गया है और उसकी मात तो तय हैं।महिला आरक्षण मामले में पीएम मोदी साफ कर दिया है कि वह देश की महिलाओं को जल्द से जल्द आरक्षण देना चाहते हैं, वह विपक्ष से इस मामले में सहयोग मांग रहे हैं और विपक्ष इस मामले में सहयोग करे तो उसे घाटा है और वह सहयोग न करे तो और ज्यादा घाटा है। विधायिका में महिलाओं को ३३ प्रतिशत आरक्षण लागू करने और इसके लिए परिसीमन कर लोकसभा व विधासनभा का चेहरा बदलने के लिए संविधान संशोधन विधेयक पर गुरुवार को लोकसभा में चर्चा हुई।बहस में सरकार की नीयत साफ करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि महिला आरक्षण को लागू करने के लिए सभी राजनीतिक दलों को बिना कोई राजनीति किए इसका समर्थन करना चाहिए। पीएम मोदी विपक्ष ने जो जो सवाल उठाए उसका जबाव देते हुए कहा कि महिला आरक्षण के लिए लाए संविधान संशोधन से किसी राज्य के साथ कोई भेदभाव नहीं होगा। परिसीमन पहले जिस अनुपात में हुआ है,वह नहीं बदलेगा।इसके लिए मोदी की गारंटी चाहिए तो ले लो। उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि इस बिल को हमको कोई श्रेय नहीं चाहिए।कुछ लोगों को लगता होगा कि इसमें कहीं न कहीं मोदी का राजनीतिक स्वार्थ है,इस बिल का विरोध करेंगे तो स्वाभाविक है कि इसका लाभ मुझे होगा अगर साथ चलेंगे तो किसी का नुकसान नहीं होगा।२०२३ में कहा गया था कि इस बिल को जल्दी लागू करो अब हम इसे २०२९ से लागू करने वाले हैं तो इसका विरोध किंतु,परंतु व लेकिन कहकर किया जा रहा है। पीएम मोदी यह कहकर कि विपक्ष इस बिल का श्रेय ले ले लेकिन बिल का समर्थन करे। यह महिलाओं का हक है, वह महिलाओं को उसका हक दे दे।उन्होंने विपक्ष को आगाह भी किया कि जिसने भी अबतक महिला आरक्षण बिल का विरोध किया है,महिलाओं ने उसकी बुरी गत है, इसलिए इसका विरोध कोई खुले तौर पर नहीं करता है लेकिन किंतु परंतु करता है। संसद मे ऐसा कहकर देश की महिलाओं को यह संदेश देने का काम किया है कि हम तो महिलाओं को आरक्षण जल्द से जल्द देने का प्रयास कर रहे हैं इसमें पहले भी विपक्ष ने बाधा डाली है और आज भी बाधा डालने का प्रयास रहा है। पीएम मोदी व शाह के राजनीतिक दांव को विपक्ष समझ नहीं पाता है और मोदी व शाह जैसा चाहते हैं उसका विरोध करते हैं और जनता की नजर में हर अच्छी बात का विरोधी बन कर रह जाते हैं और हर अच्छे काम का श्रेय जनता मोदी सरकार को दे देती है। महिला आरक्षण का श्रेय भी आखिर में पीएम मोदी को ही मिलेगा क्योंकि विपक्ष को मजबूरी में ही सही महिलाआरक्षण व परिसीमन का समर्थन करना होगा। मोदी तो यही चाहते हैं कि विपक्ष समर्थन करे और सरकार के साथ श्रेय ले। विपक्ष ऐसा नहीं करता है और महिला आरक्षण महिलाओं को नहीं मिलता है तो इसका फायदा भी मोदी व शाह को होगा क्योंकि वह तो पहले साफ कर चुके हैं वह तो जल्द से जल्द महिलाओं को आरक्षण देना चाहते हैं, इसके लिए संशोधन विधेयक व परिसीमन विधेयक लाया गया है। मोदी सरकार इस बात को समझती है कि वह महिला आरक्षण विधेयक व परिसीमन विधेयक अलग अलग लाती तो विपक्ष महिला आरक्षण का समर्थन करता और परिसीमन का नहीं करता। अब सरकार ने दोनों को जोड़ दिया है कि यानी की परिसीमन के बाद ही महिलाओं का आरक्षण का लाभ मिलेगा यदि विपक्ष परिसीमन का विरोध करता है तो महिला आरक्षण भी पास नहीं होगा। ऐसे महिलाओं का आरक्षण का लाभ मिलने का नुकसान विपक्ष को होगा और फायदा भाजपा व मोदी को होगा। अब कांग्रेस सहित विपक्ष की परेशानी यह है कि मोदी व शाह का दांव ऐसा है कि उसको दोनों तरह से मोदी से कम फायदा होगा यानी मोदी को ज्यादा फायदा होगा।

अक्षय तृतीया

पौराणिक कथाओं से जुड़ा रहा है अक्षय तृतीया का संबंध

डॉ.सूर्यकांत मिश्रा

भगवान परशुराम को प्रथम योद्धा संत के रूप में जाना जाता है । इस ब्रह्मांड के पालनहार भगवान श्री हरि विष्णु के छठे अवतार परशुराम जी ब्राह्मणों के आदि देव कहे जाते हैं । परशुराम जी ने भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न कर उनका आशीर्वाद पाने कठिन तपस्या की । इसी तपस्या के बाद उन्हें भगवान शिव द्वारा अचूक शस्त्र फरसा प्रदान किया गया । कहा जाता है कि विनाश के देवता माने जाने वाले भगवान भोलेनाथ ने भगवान परशुराम जी को युद्ध की विभिन्न विधियां और कौशल में पारंगत किया । पौराणिक कथाओं में कथानक आता है कि भगवान परशुराम जी ने कोंकण , मालाबार और गोवा की भूमि को बचाने के लिए बढ़ते हुए समुद्र को पीछे धकेल दिया ! उन्होंने अपना फरसा समुद्र में फेंक दिया । वह फरसा जिस क्षेत्र में गिरा वही बाद में केरल , गोवा और कोंकण के रूप में जाने गए । गोवा और कोंकण आज भी भगवान परशुराम जी के नाम से जाने जाते हैं । ऐसे तथ्य भी मिलते हैं कि इन क्षेत्रों की स्थापना के बाद परशुराम जी ने इन क्षेत्रों को अपने द्वारा चुने गए 96 ब्राह्मण परिवारों को सौंप दिया । इन्हीं ब्राह्मणों को आगे चलकर शाह्वान कुली ब्राह्मण के रूप में पहचान मिली । इन्हीं ब्राह्मण परिवारों को देश के गोवा , केरल और कोंकण की सांस्कृतिक विरासत को स्थापित करने का श्रेय प्राप्त हुआ । अक्षय तृतीया तिथि का महत्व असीमित रूप में दिखाई पड़ता है । हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार अक्षय तृतीया के दिन ही वेद व्यास जी ने महाकाव्य , महाभारत की रचना प्रारंभ की थी । हमारे धर्म ग्रन्थ बताते हैं कि वेद व्यास जी ने अज्ञान और बाधाओं को दूर करने के लिए हाथी के शीश के धारणकर्त्ता भगवान श्री गणेश को पूरा महाकाव्य लेखन के पश्चात सुनाया । भारत वर्ष की पुण्यप्रदा और सबसे विशाल गंगा नदी का अवतरण भी इसी तिथि को हुआ । ब्रह्मांड के निर्माता ब्रह्मा जी की पुत्री गंगा को धरती पर प्रवाहित होने का आदेश भी स्वयं ब्रह्मा जी ने उ हैं दिया था । यह कौशल प्रदेश के राजा भगीरथ द्वारा अपने पूर्वजों के श्राप को खत्म करने के लिए किए गए कठिन तप का सु- फल ही था कि हमें पवित्र गंगा के दर्शन इस धरती पर हो पा रहे हैं । मां गंगा के प्रवाह की गति को सम्हाल पाने की शक्ति किसी में नहीं थी ! तब भगीरथ जी ने भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना की - कि वे मां गंगा को धरती पर लाने के उद्देश्य को करने , उनके वह को संभालें । भगवान शिव ने भगीरथ जी की प्रार्थना सुन ली और मां गंगा को धरती पर प्रवाहित करने स्वीकृति दे दी । भगवान शिव ने गंगा नदी को अपनी जटाओं में जकड़ लिया ! यह तब हुआ जब मां गंगा पूरे प्रवाह के साथ नीचे की ओर आ रही थी । जटाओं में जकड़ी मां गंगा का अहंकार चूर - चूर हो जाने के बाद भगवान भोलेनाथ ने उसकी गति को नियंत्रित कर धरती पर प्रवाहित कर दिया । यह दिन भी अक्षय तृतीया का दिन था । अक्षय तृतीया इतनी शुभ और पवित्र तिथि मानी जाती है कि इस दिन मनुष्य अपने या स्वजनों द्वारा दिए गए जाने - अनजाने अपराधों को क्षमा करने के लिए ईश्वर से सच्ची प्रार्थना

करे तो भगवान उसे अवश्य क्षमा प्रदान करते हैं । हमारे हिंदू धर्म में यह मान्यता भी है कि अक्षय तृतीया के दिन अपने अच्छे आचरण और सद्गुणों से दूसरों अथवा वरिष्ठ जनों का आशीर्वाद लेना सदैव अक्षय रहता है । इस प्रमुख तिथि के पौराणिक महत्व पर दृष्टि डाली जाए तो वह अनेक ऐतिहासिक घटनाओं की साक्षी के रूप में दिखाई पड़ती है । इसी अक्षय तिथि पर भगवान श्रीकृष्ण ने अपने सखा सुदामा को अक्षय फल प्रदान किया था । जब सुदामा जी श्रीकृष्ण से मिलने द्वारका गए और उन्हें पोटली में बांधे चावल भेंट किए , तब श्रीकृष्ण ने प्रसन्न होकर उन्हें अक्षय वैभव प्रदान किया । यह तिथि भी अक्षय तृतीया ही थी । ऐसी भी मान्यता है कि इसी दिन त्रेतायुग और सतयुग का प्रारंभ हुआ । त्रेतायुग में अक्षय तृतीया के दिन ही मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने माता सीता को अग्नि परीक्षा के उपरांत अपनाया था । इसी तिथि पर कुबेर जी को धन का देवता नियुक्त किया गया था । इतना ही नहीं श्रीविष्णु का नर - नारायण , हयग्रीव अवतरण भी इसी दिन हुआ । कौरव - पांडव के बीच हुए महाभारत के युद्ध ने भी अक्षय तृतीया के दिन ही विराम लिया । भविष्य पुराण में वर्णन मिलता है कि इस दिन किया गया दान अक्षय होकर पुण्य प्रदान करता है । अक्षय तृतीया के दिन विशेष रूप से मिट्टी के घड़े , खांड के लड्डू , पादत्रान , छाता , जौ , गेहूं , चावल , गौ तथा वस्त्र आदि का दान पुण्यदाई होता है । यह भी कहा गया है कि ऐसा दान सुपात्र को देने पर ही फलदाई होता है ।

अक्षय तृतीया ही वह दिन है जब रावण की पत्नी मंदोदरी का सृजन हुआ । कहा जाता है कि :-

" अहिल्या, द्रौपदी,सीता,तारा, मंदोदरी तथा
पंचकन्या स्मरणं महापातक नाशनी । "

अर्थात इन पांच कन्याओं के दर्शन मात्र से ही बड़े से बड़ा पाप नष्ट हो जाता है ! भगवान विष्णु के शरीर के चंदन लेप से श्रीहरि ने मंदोदरी का सृजन किया था । पौराणिक कथा के अनुसार भगवान भोलेनाथ का परम भक्त रावण माता पार्वती का दर्शन करते ही उन पर मोहित हो गया और भोलेनाथ से उन्हें अपने लिए मांगने लगा ! अपने नाम के अनुसार भोलेनाथ ने रावण को यह वरदान दे दिया ! इस बात से चिंतित देवताओं ने भगवान विष्णु से भोलेनाथ को ऐसा करने से रोकने की प्रार्थना की । भगवान विष्णु भी जानते थे कि पार्वती जी के शिव जी से विमुख होते ही ब्रह्मांड असंतुलित हो जाएगा । अतः भगवान श्रीहरि ने अपने शरीर में लगे चंदन के लेप से माता पार्वती की हूबहू प्रतिकृति बनाई और रावण को सौंप दी । यही कारण है कि अक्षय तृतीया के दिन मंदिरों में भगवान श्रीहरि की मूर्ति पर गंध लेपन किया जाता है । यह भी कहा जाता है कि अक्षय तृतीया के दिन ही सुदामा , विश्वामित्र और अन्य ऋषि - मुनियों ने लक्ष्मी व्रत किया , जिससे उन्हें घर - आश्रम में कभी भी किसी चीज की कमी नहीं हुई । भगवान विष्णु पर अक्षत अर्पित करना शास्त्रों में वर्जित किया गया है । अक्षय तृतीया ही वह तिथि है जिस दिन भगवान विष्णु को सिंदूरी चावल अर्पित किया जा सकता है । यदि अक्षय तृतीया के दिन अपने इष्ट देवता की पूजा चंदन लेप से की जाए तो मनवांछित फल की प्राप्ति होती है । भारतीय ज्योतिष के अनुसार अक्षय तृतीया के दिन सूर्य और चंद्रमा सबसे अनुकूल स्थिति में होते हैं । इसी दिन उनका प्रकाश सर्वाधिक होता है । अक्षय तृतीया कितनी पुण्यतिथि है इसका एक उदाहरण महाभारत में मिलता है । कहा जाता है कि पांडव राजकुमारों को इसी तिथि पर भगवान श्रीकृष्ण ने अक्षय पात्र प्रदान किया था । इसी अक्षय पात्र ने पांडवों को उनके वनवास के दौरान असीमित भोजन प्रदान किया । ऐसा भी कहा जाता है कि बैशाख मास के समान कोई मास नहीं ! सतयुग के समान कोई युग नहीं ! वेद के समान कोई शास्त्र नहीं ! गंगा जी के समान कोई तीर्थ नहीं ! इसी तरह अक्षय तृतीया के समान कोई तिथि नहीं !

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहने वाला है। आज घरेलू काम पूरा करने में आपको घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। आज सहपाठी अपनी कुछ पर्सनल बातें आपसे शेयर कर सकता है। आप दोस्त की मदद के लिये हमेशा तैयार रहेंगे। इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आप किसी विषय पर शिक्षकों से चर्चा करेंगे।

वृषभ राशिः आज आपका दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। शुरुआत में आपको लगेगा कि आपके काम पूरे हो रहे हैं, लेकिन शाम होते-होते काम रुक सकता है। आज जरूरी काम करने से पहले घर के बड़ों या किसी अनुभवी व्यक्ति से विचार विमर्श अवश्य करें। माता-पिता के आशीर्वाद से आज सभी बाधाओं को दूर करने में आप सक्षम रहेंगे। आपके दिमाग में खुद-ब-खुद नये-नये विचार आते रहेंगे।

मिथुन राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। जो छात्र 12वीं के बाद कॉलेज में एडमिशन लेने की सोच रहे हैं उनके लिये आज का दिन अच्छा है। साथ ही जो छात्र हॉयर एजुकेशन के लिये विदेश जाना चाहते हैं, वे किसी से इस बारे में राय ले सकते हैं। आज रुपये पैसों की लेन-देन में आपको थोड़ी सावधानी रखने की जरूरत है। किसी को पैसे उधार देने से पहले अच्छे से जांच-पड़ताल कर लें।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए लकी होने वाला आपको कुछ जरूरी कामों में दोस्तों की मदद मिलेगी। कई दिनों से अटका हुआ पैसा आपको वापस मिल सकता है, आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन उत्तम है, पहले दी गई किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। परिवार में सौहार्दपूर्ण माहौल बना रहेगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। किसी बड़े व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है। आने वाले समय में वह आपके लिये बहुत ही उपयोगी साबित होगा। जो लोग टूर एंड ट्रैवल के बिजनेस से जुड़े हैं, उनके लिये दिन अच्छा रहने वाला है। बिजनेस से जुड़े लोगों को कुछ बड़े प्रोजेक्ट मिल सकते हैं। आज अपनी वाणी पर संयम रखें। आपके मुंह से निकली हुई एक गलत बात आपके रिश्तों को खराब कर सकती है।

कन्या राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको मन मुताबिक फल मिलेंगे। अगर आप अपने बिजनेस को किसी दूसरी जगह पर शिफ्ट करना चाह रहे हैं, तो एक बार जगह अच्छे से देख लें। नौकरी करने वाली महिलाओं के लिये भी दिन बढ़िया रहेगा, बॉस और अन्य सहयोगियों के साथ आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे। ऑफिस में किसी काम के लिये आप खुद से जिम्मेदारी ले सकते हैं। आज आपके बिजनेस में तरक्की होगी।

तुला राशिः आज आपका दिन बहुत शानदार रहने वाला है। आज आपके कार्य जरूर सफल रहेंगे। जो लोग लंबे समय से अपनी कन्या के लिये वर की तलाश कर रहे हैं, उनकी तलाश आज पूरी हो सकती है। कन्या के लिये आपको सुयोग्य वर मिलने के योग हैं। कोर्ट कचहरी के मामलों में भी आपको अच्छी खबर मिल सकती है। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन सामान्य रहेगा। आपको जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज आपके मन में नये-नये विचार आयेंगे, जिन्हें आप अपनी दिनचर्या में उतारने में कामयाब रहेंगे। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं, उनके लिये दिन बहुत-सी तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आज आपकी पार्टी आपको बड़ा पद भी दे सकती है। जनता के बीच आपका मान सम्मान भी बढ़ेगा। जो लोग लोहे के व्यापार से जुड़े हैं, उनके व्यापार में वृद्धि होगी।

धनु राशिः आज आपका दिन शुभ फलदायक रहेगा। कला और साहित्य से जुड़े लोगों को आज प्रसिद्धि मिलेगी। आपको किसी बड़े ग्रुप से जुडऩे का मौका मिलेगा। आज ज्यादा से ज्यादा समय आप अपने घर वालों के साथ बितायेंगे। आप सबके साथ कहीं घूमने जाने का प्लान भी बना सकते हैं। आज धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। छोटे उद्योगों में निवेश के लिये दिन अच्छा साबित हो सकता है। किसी प्रोडक्ट की मार्केटिंग के लिये भी दिन अच्छा है।

मकर राशिः आज आपका दिन पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों को पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। आज स्वास्थ्य पर ध्यान देने की भी जरूरत है। किसी भी तरह की लापरवाही करने से आपको बचना चाहिए। जो लोग थोक विक्रेता है, उनको आज विशेष लाभ होगा। किसी दूसरे शहर से सामान मंगवाना हो, तो आज इससे जुड़े निर्णय ले सकते हैं। संपत्ति से जुड़े मामलों में जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशिः आज दिन आपके लिए सम्मानजनक रहेगा। आज घर और बाहर हर जगह आपकी तारीफ होगी, हर व्यक्ति आपके अच्छे व्यवहार से प्रभावित होगा। आज समाज से जुड़े कार्यों को करने के लिये दिन उत्तम है। आप किसी एनजीओ की शुरुआत या किसी सामाजिक संगठन से जुड़ सकते हैं। धार्मिक कार्यों के प्रति आस्था में बढ़ोतरी होगी। आज आप अपने कार्यों में जल्दबाजी करने से बचें। आज ऑफिस में सहकर्मी आपसे कुछ सीखना चाहेंगे।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी, जिससे आपका मनोबल बढ़ेगा। परिवार में सभी के साथ रिश्ते और बेहतर होंगे। घरेलू कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज जिन विद्यार्थियों का कंप्यूटर साइंस का एग्जाम है, उनकी सफलता सुनिश्चित होगी। किसी नए प्रोजेक्ट में मित्रों की सलाह लेना लाभदायक रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाने की योजना बनायेंगे।

सू- दोकू क्र.013

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.012 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -013

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुसबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नजदीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सवेरा।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 012 का हल

अ	भि	षे	क		प	स		
जा	त		थ	प	थ	पा	ना	
य	र	का	नी		भ्र		र	श्मि
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		र्व		ब
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

परशुराम जयंती

सिद्धांतप्रिय सदाचारी भगवान परशुराम

विजय मिश्रा 'अमित'

महापराक्रमी परशुराम श्रीहरि विष्णु भगवान के छठवें अवतार हैं। उनका जन्म वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को पुनर्वसु नक्षत्र में रात के प्रथम प्रहर में हुआ था। भृगुऋषि कुल में जन्मे परशुराम जी का मूल नाम राम था। उनकी माता रेणुका और पिता ऋषि जमदाग्नि थे। भगवान शिव की कठोर तपस्या परशुराम जी ने की थी। जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अनेक अस्त्र-शस्त्र दिए थे। जिनमें सर्वाधिक शक्तिशाली अस्त्र था फरसा जिसे संस्कृत में 'परशु' कहा जाता है। परशु को धारण करने के कारण ही वे परशुराम के नाम से विख्यात हुए।

सरगुजा का कलचा गांव है जन्मभूमि

जनश्रुति ऐसी भी है छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में स्थित कलचा गांव के 'सतमहला' में परशुराम जी का जन्म हुआ था। अनेक इतिहासकारों का यह भी कहना है कि मध्य प्रदेश के महू शहर निकट स्थित विंध्याचल पर्वत पर 'जाना पाव कुटी' में परशुराम जी का जन्म हुआ था। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान परशुराम को भगवान शिव से अमरता का वरदान प्राप्त है। वे आज भी उड़ीसा के महेंद्र गिरी पर्वत पर तपस्यारत हैं। त्रेता युग में राम, द्वापर में द्रोण, कर्ण को उन्होंने शिक्षा दी थी कलयुग में भगवान विष्णु के दसवें अवतार 'कल्कि' अवतरित होंगे। उनको शस्त्र अस्त्र की विद्या परशुराम जी ही देंगें ।

मार्शल आर्ट के जनक

भगवान परशुराम ने समुद्र की अथाह गहराई से भूमि को उठाकर उसी भूमि में कोंकण और केरल को स्थापित किया था। वहां प्रचलित प्राचीन युद्ध कला 'कलरिपयट्टू' के वे जनक हैं। यह युद्ध कला जनमन के बीच 'मार्शल आर्ट' के नाम से प्रसिद्ध है।

परशुराम के क्रोध का कारण

परशुराम को उनके क्रोधी स्वभाव के कारण भी जाना जाता है। आम बोलचाल में किसी महा क्रोधी व्यक्ति को परशुराम की ही संज्ञा दी जाती है। परशुराम जी का क्रोध सीख देता है कि बेवजह अपमान के समय चुप रहना, आंख कान बंद कर लेना गुनीजनों के लिए अशोभनीय है। गलत को गलत कहने की हिम्मत नहीं करने पर दुनिया ऐसे व्यक्ति को कायर कहती है। पौराणिक ग्रंथों में उनके क्रोधित होने की एक बड़ी घटना 'सीता स्वयंवर' का उल्लेख मिलता है। जनकपुरी में आयोजित सीता स्वयंवर में राजा जनक ने शर्त रखी थी कि जो भी बलशाली पुरुष भगवान शिव के धनुष को तोड़ने में सफल होगा राजकुमारी सीता उसे ही वरमाला पहनाएंगी। स्वयंवर में अयोध्या के राजकुमार श्री राम ने भगवान शिव के धनुष को तोड़ दिया था। इसे भगवान शिव का घोर अपमान कहते हुए परशुराम जी प्रचंड ज्वाला की तरह क्रोधित हुए थे। इस घड़ी में राम जी के अनुज लक्ष्मण ने व्यंग्य पूर्ण संवाद करके क्रोध को भड़काने में आग में घी की तरह काम किया था।उनके भंयकर क्रोध को श्री राम ने मधुर मर्यादापूर्ण संवाद और आचरण से शांत किया था।

परशुराम के पराक्रमी शिष्य

महाभारत काल में उनके तीन महासूरवीर शिष्य थे। जिनमें पहले शिष्य भीष्म थे।भगवान परशुराम जी ने ही उन्हें अस्त्र शस्त्रों का ज्ञान दिया था। भीष्मधनुष की टंकार से बादल भी फट जाया करते थे। हस्तिनापुर के महाराजा शांतनु और माता गंगा के वे पुत्र थे। उनका बालपन में देवदत्त नाम था। उन्होंने आजीवन ब्रह्मचर्य रहने की भीष्म (अटूट अटल) प्रतिज्ञा की थी। इसलिए वे भीष्म के नाम से विख्यात हुए। उन्हें इच्छा मृत्यु का वरदान प्राप्त था। परशुराम जी के दूसरे महापराक्रमी शिष्य द्रोणाचार्य थे। उन्हें धनुर्विद्या में महारत हासिल था। परशुराम ने शस्त्रों -दिव्यास्त्रों का जो ज्ञान दिया था, उससे महागुरु द्रोणाचार्य समूची सृष्टि को भस्म कर सकते थे। कुरूवंश अर्थात कौरव-पाण्डव कुल के वे राजगुरु थे। महाभारत काल के उनके तीसरे महावीर शिष्य कर्ण थे। उनकी माता कुंती और पिता सूर्य देव थे। कवच और कुंडल को लिए हुए कर्ण का जन्म हुआ था। पौराणिक कथाओं में उल्लेख मिलता है कि कर्ण के पास कवच और कुंडल के रहते हुए उन्हें कोई युद्ध में पराजित नहीं कर सकता था।कर्ण ने परशुराम से धनुर्विद्या की शिक्षा छल करके (अपनी असल जाति को छुपा) कर ली थी, इसीलिए उन्हें श्राप मिला था आवश्यकता के समय वे अपनी धनुर्विद्या को विस्मृति कर जाएंगे। भगवान परशुराम जी के जीवन से दया क्षमा सदाचरण न्याय और बड़े के प्रति आदर भाव को बनाए हुए छल कपट से दूर रहने की शिक्षा मिलती है

लूज पाउडर बनाम कॉम्पैक्ट पाउडरः दोनों में से किसका इस्तेमाल करना है बेहतर?

लूज पाउडर और कॉम्पैक्ट पाउडर मेकअप के 2 उत्पाद हैं, जो बेस को सेट करने और एक अच्छी फिनिश देने में मदद करते हैं। हालांकि, दोनों की बनावट और उपयोग में फर्क होता है। लूज पाउडर आमतौर पर ढीला होता है, जबकि कॉम्पैक्ट पाउडर ठोस रूप में आता हैं। इस लेख में हम इन दोनों उत्पादों के बीच के अंतर और उनके उपयोग के सही तरीकों पर चर्चा करेंगे, ताकि आप अपने मेकअप रूटीन को बेहतर बना सकें।

लूज पाउडर की खासियत

लूज पाउडर को बेस मेकअप सेट करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह चेहरे पर हल्की और महीन परत बनाता है, जिससे मेकअप लंबे समय तक टिका रहता है। लूज पाउडर को ब्रश या स्पंज की मदद से चेहरे पर लगाया जाता है। यह खासकर गर्मियों में और अधिक तेलीय त्वचा वालों के लिए फायदेमंद होता है, क्योंकि यह अतिरिक्त तेल को सोख लेता है और चेहरे को मैट फिनिश देता है।

कॉम्पैक्ट पाउडर क्या है?

कॉम्पैक्ट पाउडर एक ठोस रूप में आता है, जिसे आसानी से पर्स में रखा जा सकता है। इसे टच-अप के लिए कहीं भी और कभी भी इस्तेमाल किया जा सकता है। कॉम्पैक्ट पाउडर हल्का होता है और त्वचा पर एक चिकनी और चमकदार फिनिश देता है। इसे चेहरे पर हल्के हाथों से लगाना चाहिए, ताकि यह अच्छी तरह से फैले और त्वचा को एक प्राकृतिक लुक दे सके। कॉम्पैक्ट पाउडर का उपयोग रोजमर्रा के मेकअप के लिए सही है।

दोनों उत्पादों के बीच का फर्क

लूज पाउडर और कॉम्पैक्ट पाउडर चेहरे को सेट करने के लिए इस्तेमाल होते हैं, लेकिन उनकी बनावट और उपयोग में फर्क होता है। लूज पाउडर अधिक महीन और हल्का होता है, जबकि कॉम्पैक्ट पाउडर ठोस और अधिक टिकाऊ होता है। लूज पाउडर अधिक तेलीय त्वचा वालों के लिए बेहतर होता है, क्योंकि यह अतिरिक्त तेल को सोख लेता है। वहीं, कॉम्पैक्ट पाउडर सभी प्रकार की त्वचा पर अच्छा काम करता है।

त्वचा के अनुसार चुनें सही उत्पाद

आपकी त्वचा का प्रकार और जरूरतें ही तय करती हैं कि आपको कौन-सा उत्पाद चुनना चाहिए। अगर आपकी त्वचा अधिक तेलीय है तो लूज पाउडर बेहतर रहेगा, क्योंकि यह अतिरिक्त तेल को सोख लेगा। वहीं, अगर आपकी त्वचा सूखी या सामान्य है तो कॉम्पैक्ट पाउडर आपके लिए उपयुक्त रहेगा। कॉम्पैक्ट पाउडर चेहरे से पसीना आदि हटाने के भी काम आता है। सही चयन करने से आपका मेकअप लंबे समय तक टिका रहेगा.

बजरंग दल ने जेहादी मानसिकता का पुतला दहन कर सौंपा ज्ञापन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 19 अप्रैल। बजरंग दल ने आज शनिवार को शहर में विभिन्न सामाजिक मुद्दों को लेकर जिसमें देश में बढ़ती आपराधिक एवं असामाजिक गतिविधियों के विरोध में जेहादी मानसिकता पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन के उपरांत बजरंग दल के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला प्रशासन के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में देशभर में बढ़ रही आपराधिक घटनाओं, सार्वजनिक संपत्तियों पर हो रहे अवैध कब्जों, महिलाओं के विरुद्ध बढ़ते अपराधों तथा सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। संगठन ने केंद्र व राज्य सरकार से ऐसे मामलों में संलिप्त दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई करने तथा कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने की मांग की गई।

बजरंग दल के प्रांत सह मंत्री रवि ब्रह्मचारी ने कहा कि बस्तर जैसे जनजातीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को तत्काल मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने अवैध गतिविधियों पर पूर्ण अंकुश लगाने तथा महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा, ÷महिलाओं का सम्मान सर्वोपरि है और अब बजरंगी चुप बैठने वाले नहीं हैं।बजरंग दल के जिला मंत्री नवीन देवांगन ने कहा कि बजरंग दल राष्ट्र की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता बनाए रखने के लिए संकल्पित है। वहीं जबीता मंडावी ने कहा कि भारत 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' अब कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि यदि ऐसी घटनाएं नहीं रुकीं तो महिलाएं भी बजरंगियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होंगी। जिला संयोजक विष्णु ठाकुर ने चेतावनी देते हुए कहा कि हिंदू लड़की के साथ दुराचार करने की सोचने वालों पर बजरंग दल मौके पर ही एक्शन लेने में सक्षम है, और किसी भी प्रकार की बदतमीजी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इस दौरान विभाग सह मंत्री श्रीनिवास रेड्डी, योगेन्द्र कौशिक, जिला उपाध्यक्ष प्रेम चालकी, जिला कोषाध्यक्ष सुरेंद्र तिवारी, होमेश राठौड़, मातृ शक्ति जिला संयोजिका सुशीला साव, जिला साप्ताहिक मिलन प्रमुख सोम ठाकुर, अनिल अग्रवाल, पंकज मिश्रा, नगर सह संयोजक अजय प्रताप सिंह, दुर्गा वाहिनी से योशिका सेनापति, मातृ शक्ति से जयन्ती नागे, मानसी गुप्ता सहित बड़ी संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विपक्ष ने महिला आरक्षण व परिसीमन विधेयक पर राजनीतिक स्वार्थ को दी प्राथमिकता:प्रेम

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 19 अप्रैल। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यकारिणी सदस्य (सहकारिता प्रकोष्ठ) प्रेम कुमार यादव ने महिला आरक्षण एवं परिसीमन जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर विपक्षी दलों के रवैये की कड़ी आलोचना करते हु कहा कि परिसीमन विधेयक का उद्देश्य देश में जनसंख्या के आधार पर समान और न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना था, ताकि हर क्षेत्र की आवाज़ संसद में प्रभावी ढंग से पहुंचे। यह कदम लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में था। दुर्भाग्यवश, विपक्षी दलों द्वारा आवश्यक समर्थन नही दिए जाने के कारण यह विधेयक पारित नहीं हो सका। विपक्ष ने सकारात्मक सहयोग देने के बजाय राजनीतिक स्वार्थ को प्राथमिकता दी। विपक्षी दल वर्षों से महिला सशक्तिकरण की बात करते रहे हैं, लेकिन जब इसे लागू करने का समय आया, तब उनका असली चेहरा सामने आ गया।

प्रेम यादव ने कहा कि जब देश की संसद में महिलाओं को 33त्न प्रतिनिधित्व देने और लोकतंत्र को जनसंख्या के अनुरूप संतुलित करने का ऐतिहासिक अवसर आया, ताकि 2029 के चुनाव तक महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ा कर लोकसभा की सीट संख्या 543 से बढ़कर 850 तक की जाए। महिला आरक्षण बिल पास होने के बाद परिसीमन बिल पास करना था। परिसीमन बिल, 2026 वह विधेयक है, जिसे संसद में पेश किया गया था, ताकि भारत में चुनावी क्षेत्रों की सीमाओं और सीटों का पुनर्गठन (डिलिमिटेशन) किया जा सके।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को अधिकार, सम्मान और भागीदारी देने के लिए प्रतिबद्ध है। नारी शक्ति वंदन केवल नारा नहीं, बल्कि देश की मातृशक्ति को निर्णय-प्रक्रिया में भागीदार बनाने का संकल्प है। उन्होने कहा कि विपक्ष की राजनीति केवल विरोध तक सीमित है, जबकि भाजपा विकास, सुशासन और समान प्रतिनिधित्व की राजनीति करती है। परिसीमन जैसे सुधार लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए आवश्यक हैं, लेकिन विपक्ष ने राष्ट्रहित से ऊपर दलगत राजनीति को रखा। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि वे ऐसे दलों को पहचानें जो केवल बयानबाजी करते हैं।

भांसी में 14 दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण आयोजित

दंतेवाड़ा, 19 अप्रैल । एनएमडीसी डीएवी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भांसी में आयोजित 14 दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन 15 अप्रैल 2026 को किया गया। यह कार्यक्रम रैम्प योजना के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें राज्य में छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम नोडल एजेंसी के रूप में कार्यरत है।

एक नजर

बैठक में कलेक्टर ने शासकीय योजनाओं में तेजी लाने के दिए निर्देश

बीजापुर 19 अप्रैल (तछसं)। कलेक्टर संबित मिश्रा ने बुधवार को आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के कार्यों और शासकीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कार्यों में आवश्यक प्रगति लाने के सख्त निर्देश दिए।बैठक के दौरान कलेक्टर ने लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से निपटाने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समय पर आम जनता तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना सभी विभागों की जिम्मेदारी है। विभिन्न विभागों की प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा करते हुए कलेक्टर ने पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए ताकि जिले में विकास कार्यों को गति मिल सके। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नम्रता चौबे, अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर जागेश्वर कौशल सहित जिला स्तरीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकथाम के लिए प्रशासन की कड़ी नजर

बीजापुर 19 अप्रैल (तछसं)। जिले में बाल विवाह की रोकथाम के लिए कलेक्टर संबित मिश्रा ने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा है कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक बुराई होने के साथ-साथ कानूनन अपराध भी है, जिस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।उल्लेखनीय है कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत बाल विवाह में शामिल वर-वधू के माता-पिता, रिश्तेदार, बाराती, विवाह संपन्न कराने वाले (पुरोहित, मौलवी, पादरी) सहित कार्ड छापने, बैंड-बाजा और टेंट से जुड़े लोगों पर भी कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है।कलेक्टर जिला बीजापुर ने अवगत कराया कि बाल विवाह के कारण बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास प्रभावित होता है। साथ ही कुपोषण, शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर और घरेलू हिंसा जैसी समस्याओं में भी वृद्धि होती है। आगामी 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह की संभावनाओं को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए गए हैं। ग्राम पंचायत स्तर पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों, पंचायत सचिवों, आंगनबाड़ी सुपरवाइजरों और कार्यकर्ताओं को सक्रिय रहकर निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी विभागों को भी तय कार्ययोजना के अनुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

शासकीय सेवा से वंचित नक्सल पीड़ितों के लिए 90 लाख की राशि स्वीकृत

बीजापुर, 19 अप्रैल। छत्तीसगढ़ शासन की नक्सल पुनर्वास नीति के तहत नक्सल प्रभावित परिवारों को बड़ी राहत देते हुए प्रशासन ने छह पीड़ितों को कुल 90 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। प्रत्येक हितग्राही को 15-15 लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, बीजापुर द्वारा आज शनिवारी को जारी आदेश के अनुसार, यह सहायता उन नक्सल पीड़ित परिवारों को दी जा रही है, जिनके सदस्य नक्सली हिंसा के कारण मृत, घायल या स्थायी रूप से प्रभावित हुए हैं। शासन की नीति के तहत ऐसे मामलों में शासकीय सेवा के स्थान पर आर्थिक सहायता प्रदान करने का प्रावधान है।प्रशासनिक जानकारी के अनुसार, यह राशि ÷छत्तीसगढ़ नक्सलवाद आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत पुनर्वास नीति 2025÷ के अंतर्गत स्वीकृत की गई है। इसमें उन परिवारों को प्राथमिकता दी गई है, जिन्हें किसी कारणवश शासकीय सेवा का लाभ नहीं मिल सका। जिला प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि स्वीकृत राशि का भुगतान शीघ्र सुनिश्चित किया जाए, ताकि पीड़ित परिवारों को समय पर राहत मिल सके। यह सहायता राशि उनके पुनर्वास एवं जीवन यापन में महत्वपूर्ण सहारा साबित होगी।

प्रगणकों व पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

दंतेवाड़ा, 19 अप्रैल । जनगणना 2027 के तहत जनगणना कार्य निदेशालय रायपुर के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के मार्गदर्शन में आज स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल दंतेवाड़ा में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया। प्रशिक्षण के दौरान जिला जनगणना अधिकारी द्वारा प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को तकनीकी प्रक्रियाओं, प्रपत्रों के संधारण तथा डिजिटल प्रविष्टियों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने प्रशिक्षण सत्रों को प्रभावी बनाने पर जोर देते हुए सभी को अपनी भूमिका पूरी गंभीरता से निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि विकास योजनाओं की मजबूत आधारशिला है, इसलिए प्रत्येक कर्मी अपने दायित्वों का निर्वहन जिम्मेदारी और सजगता के साथ करें।

वन विभाग ढोलकल श्रीगणेश तक पंहुचने चट्टान काटकर बना रहा सुगम रास्ता

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

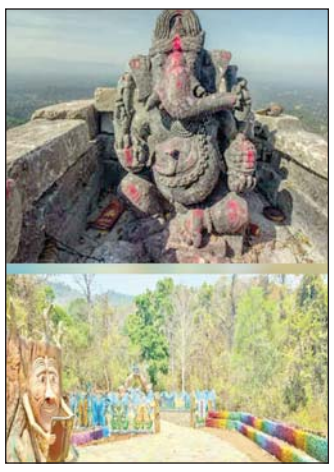

जगदलपुर, 19 अप्रैल। जिले के बैलाडीला की पहाड़ियों में विराजमान ढोलकल श्रीगणेश के दर्शन अब भक्तों के लिए आसान होने जा रहे हैं। यहां की पहाड़ी पर सीधी चढ़ाई हर किसी के लिए आसान नहीं होती। ऐसे में यहां चट्टानों को तराशकर 3 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थापित ढोलकल श्रीगणेश प्रतिमा तक ज्यादा सुगम रास्ता बनाया जा रहा है। पाथ-वे के साथ हट (झोपड़ियां) और अन्य बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएगी। जगह-जगह बैठने के इंतजाम भी किए जाएंगे। वन विभाग पहाड़ियों के नीचे ढोलकल श्रीगणेश तक जाने वाले रास्ते में भव्य प्रवेश द्वार तैयार कर लिया है। यहां बैठने, समय बिताने और पीने के पानी का इंतजाम कर लिया गया है। आगे ठहरने के लिए कैंपिंग सुविधा देने की भी तैयारी है। इसके अलावा पहाड़ी के ऊपर ढोलकल श्रीगणेश तक जाने के लिए सुगम रास्ता तैयार करने चट्टानों को तराशने का काम भी जारी है। स्थानीय समिति की ओर से गाइड की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे पर्यटकों को सुरक्षित और बेहतर अनुभव मिल सके। वन विभाग दंतेवाड़ा जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह पहल कर रहा है, ताकि स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिल सकें। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार ट्रैकिंग सुबह 7ः30 से दोपहर 2 बजे तक की जा सकेगी, वहीं शाम 5 बजे तक वापसी जरूरी है। ट्रैकिंग के दौरान संगीत नहीं बजाएं, यि प्रतिबंधित है । ट्रैकिंग के लिए गाइड साथ ले जाना अनिवार्य है। पॉलीथिन, प्लास्टिक लेकर न जाएं। बाहरी व्यंजन नहीं, बस्तरिहा व्यंजन उपलब्ध होगा।

दंतेवाड़ा डीएफओ रंगनधा रामकर्षणा वाय का कहना है कि बैलाडिला पहाड़ी पर लगभग 3000 फीट ऊंचाई पर स्थित यह स्थल प्राकृतिक सौंदर्य के साथ ऐतिहासिक महत्व भी रखता है। यहां विराजमान भगवान श्रीगणेश की 3 फीट ऊंची पत्थर की प्रतिमा 10वीं-11वीं शताब्दी के नागा वंशिय काल की मानी जाती है, जो इस क्षेत्र का मुख्य आकर्षण है। ढोलकल को पर्यटन के रूप में विकसित करने का मुख्य उद्देश्य यहां अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करना है, ताकि स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सके।

नक्सल पीड़ित व पुर्नवासित 10 महिलाएं तुंगल नेचर कैफे का कर रही संचालन

सुकमा, 19 अप्रैल। वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में जिले में तैयार किया गया तुंगल इको-पर्यटन केंद्र आज आत्मनिर्भरता और सामाजिक बदलाव का प्रतीक बन गया है। सुकमा नगर से मात्र एक किलोमीटर दूर स्थित यह स्थान पहले उपेक्षित और जर्जर था, लेकिन वन विभाग के प्रयासों से इसे एक सुंदर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया गया। यहां बनाए गए आकर्षक टापू और प्राकृतिक वातावरण अब स्थानीय लोगों के साथ-साथ पड़ोसी राज्य ओडिशा से आने वाले पर्यटकों को भी आकर्षित कर रहे हैं। इस केंद्र की सबसे खास पहल है ÷तुंगल नेचर कैफे÷, जिसे 'आत्मसमर्पण पुनर्वास महिला स्वयं सहायता समूह' की 10 महिलाएं संचालित कर रही हैं। इनमें 5 महिलाएं वे हैं जिन्होंने नक्सलवाद का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण किया है, जबकि 5 महिलाएं नक्सल हिंसा से प्रभावित रही हैं। इन सभी को जगदलपुर और सुकमा के संस्थानों में विशेष प्रशिक्षण देकर रोजगार के लिए तैयार किया गया है।आज ये महिलाएं आत्मविश्वास के साथ पर्यटकों का स्वागत कर रही हैं, और सम्मानजनक जीवन जी रही हैं। जो महिलाएं कभी संघर्ष और भय के माहौल में थीं, वे अब स्वावलंबन और आत्मसम्मान की मिसाल बन गई हैं। इस पर्यटन केंद्र की सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 31 दिसंबर 2025 को शुरू होने के बाद केवल तीन महीनों में, 30 मार्च 2026 तक यहां 8 हजार 889 पर्यटक आए। इस दौरान केंद्र ने लगभग 2.92 लाख रूपए की आय भी अर्जित की। पर्यटक यहां स्वादिष्ट स्थानीय व्यंजनों का आनंद लेने के साथ-साथ तुंगल डैम में कयाकिंग, पैडल बोटिंग और बांस राफ्टिंग जैसी गतिविधियों का भी अनुभव कर रहे हैं।

बस्तर के10 हजार छात्रों तक पहुँचेगी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शिक्षा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 19 अप्रैल। बस्तर की शैक्षणिक आबोहवा में आधुनिकता का नया रंग घुलने लगा है। यहाँ के विद्यार्थियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाने के लिए जिला प्रशासन ने एक दूरदर्शी कदम उठाया है। धरमपुरा स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज में 15 से 17 अप्रैल, 2026 तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और 21वीं सदी के कौशलों पर केंद्रित एक सघन तीन दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। जिला प्रशासन के साझा प्रयासों से फलीभूत हुए इस कार्यक्रम की बागडोर %द पाई जैम फाउंडेशन% के हाथों में थी, जहाँ प्रशिक्षक नयन सोरी ने अपने तकनीकी कौशल से शिक्षकों को भविष्य की शिक्षा पद्धति से रूबरू कराया। पूरे कार्यक्रम के सफल नियोजन और निगरानी की जिम्मेदारी पीपीआईए फेलो ने बखूबी निभाई। इस कार्यशाला की सार्थकता इसमें सम्मिलित हुए प्रतिभागियों की विशेषज्ञता से और बढ़ गई। जिले के सभी ब्लॉकों से चुनकर आए कुल 25 शिक्षकों ने इसमें भाग लिया, जो कंप्यूटर विज्ञान, गणित और विज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषयों की पृष्ठभूमि रखते हैं। प्रशिक्षण के दौरान पारंपरिक शिक्षण विधियों को पीछे छोड़ते हुए व्यावहारिक और प्रयोगात्मक अनुप्रयोगों पर जोर दिया गया। शिक्षकों ने न केवल एआई टूल्स के संचालन की बारीकियां सीखीं, बल्कि यह भी समझा कि कैसे इन आधुनिक तकनीकों को अपनी दैनिक कक्षा शिक्षण का हिस्सा बनाया जा सकता है। इस अभिनव पहल का दूरगामी प्रभाव बस्तर के शिक्षा परिदृश्य को बदलने वाला साबित होगा। अनुमान है कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से कक्षा 9वीं से 12वीं तक के 10,000 से अधिक छात्र सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे, जिन्हें अब अपने ही विद्यालयों में डिजिटल युग की नई तकनीकों का ज्ञान मिलेगा। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल शिक्षकों की क्षमता का विस्तार करते हैं, बल्कि छात्रों को आने वाले कल की करियर चुनौतियों और डिजिटल क्रांति के लिए मानसिक रूप से तैयार भी करते हैं। यह आयोजन बस्तर की प्रगतिशील सोच का एक सशक्त प्रमाण बनकर उभरा है।

25 अप्रैल से तेंदूपत्ता खरीदी की संभावना,19,200 मानक बोरा संग्रहण का लक्ष्य

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कोंडागांव, 19 अप्रैल। जिला लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित, कोंडागांव वनमंडल ने तेंदूपत्ता संग्रहण वर्ष 2026 की कार्ययोजना के संबध में वनमंडलाधिकारी चूड़ामणि सिंह ने बताया कि कोंडागांव वनमंडल के अंतर्गत 13 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के 245 संग्रहण केंद्रों में वर्ष 2026 के लिए 19,200 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य तय किया गया है। इस वर्ष संग्राहकों को 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से भुगतान किया जाएगा। मौसम और पत्तों की स्थिति को देखते हुए, 25 अप्रैल 2026 से तेंदूपत्ता खरीदी शुरू होने की संभावना है।उन्होंने यह भी जानकारी दी कि वनमंडल क्षेत्र में लगभग 31 हजार परिवार इस कार्य से जुड़े हुए हैं। प्रति संग्राहक न्यूनतम 500 गड्डी गुणवत्ता युक्त तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है । इन परिवारों को विभिन्न शासकीय योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित करने और जागरूक करने के प्रयास किए जा रहे हैं। गुणवत्ता नियंत्रण को मजबूत करने के लिए विभाग ने व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। इसके तहत 3 गुणवत्ता नियंत्रण अधिकारी, 7 जोनल अधिकारी, 13 पोषक अधिकारी, 13 प्रबंधक, 245 फड़ अभिरक्षक, 245 फड़ मुंशी, गोदाम प्रभारी और उड़नदस्ता दल सहित लगभग 700 अधिकारी-कर्मचारियों को संग्रहण, प्रसंस्करण और भंडारण कार्य में तैनात किया गया है।कोंडागांव कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने तेंदूपत्ता संग्रहण को अधिक से अधिक गुणवत्तापूर्ण बनाने के निर्देश दिए, ताकि इससे जुड़े ग्रामीणों को अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने प्रत्येक संग्राहक तक बीमा एवं छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए।

दंतेवाड़ा जिले के दूरस्थ क्षेत्र को मिली 12 नई सड़कों की सौगात

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 19 अप्रैल । प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज- 4 के कार्यों का जशपुर नगर स्थित रणजीता स्टेडियम में शिलान्यास किया। इस कार्यक्रम का पूरे राज्य में वर्चुअल माध्यम से सीधा प्रसारण देखा गया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज-4 के तहत दंतेवाड़ा जिले को 3935.90 लागत 12 नई सड़कों (43.16 किमी) की सौगात मिली। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत स्वीकृत इन 12 सड़कों का निर्माण दंतेवाड़ा, गीदम, कटेकल्याण और कुआकोंडा विकास खंडों में किया जाएगा। प्रमुख मार्गों में दंतेवाड़ा से कुदेंली, टोटापारा से टेमरुभाटा, पाहुरनार रोड से कौवरगांव, पाहुरनार से बड़ेकरका, तालनार से मुंडेर तथा हिड़पाल रोड से बालेंगपाल शामिल हैं। इसके अलावा डोंगरीपारा से गिरसापारा, गुड़से से पुजारीपारा (मिचगोंदी), सुरनार से कुम्हारपारा और हल्बारास, मैलावाड़ा से जरीपारा, कोरिरास-टिकमपाल मार्ग से लेंदा, पालनार पेरमापारा से अचेली जैसी महत्वपूर्ण ग्रामीण सड़कों का भी निर्माण प्रस्तावित है।

इस अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित संयुक्त जिला कार्यालय के डंकनी सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने लाइव प्रसारण के माध्यम से इस कार्यक्रम को देखा। इस दौरान जिले के दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों को मुख्य सड़कों से जोड़ने के उद्देश्य से स्वीकृत इन परियोजनाओं को ग्रामीण संपर्क व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इन सड़कों के निर्माण से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और बाजार जैसी मूलभूत सुविधाओं तक ग्रामीणों की पहुंच भी बेहतर हो सकेगी।इस वर्चुअल कार्यक्रम में स्थानीय विधायक श्री चैतराम अटामी ने कहा कि आज प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा दंतेवाड़ा जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (फेस-04) के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं शुभारंभ किया जाना जिले के लिए गर्व और सौभाग्य का विषय है। उन्होंने जिलेवासियों की ओर से मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल क्षेत्र के विकास को नई दिशा देगी। विधायक ने बताया कि प्रथम चरण में 12 सड़कों का भूमिपूजन किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा और लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में 38 और सड़कों की स्वीकृति मिलने की संभावना है, जिससे विकास कार्यों का दायरा और व्यापक होगा। उन्होंने कहा कि पहले नक्सल समस्या के कारण क्षेत्र में विकास कार्य प्रभावित थे और बुनियादी ढांचे का विस्तार नहीं हो पा रहा था। लेकिन अब परिस्थितियाँ काफी बदल चुकी हैं और बस्तर क्षेत्र नक्सलमुक्ति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में सड़क, पुल और पुलियों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में विकास की नई गति देखने को मिल रही है।इस कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नंदलाल मुड़ामी ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़कों की स्वीकृति मिलने से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों को बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि इन सड़कों के निर्माण से कई गांव सीधे मुख्यालय से जुड़ जाएंगे, जिससे आवागमन पहले की तुलना में अधिक सुगम और तेज होगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को अब स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में आसानी होगी। साथ ही किसानों को भी अपने उत्पाद बाजार तक पहुंचाने में लाभ मिलेगा। श्री मुड़ामी ने इस पहल को क्षेत्र के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए शासन के प्रति आभार व्यक्त किया>।

समाचार संक्षेप

कांग्रेस उच्च न्यायालय खंडपीठ को बस्तर में खोलने के हर जनांदोलन का पूरा समर्थन करेगी:अवधेश झा

जगदलपुर,19 अप्रैल। बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी विधि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष एवं शहर जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता वरिष्ठ अधिवक्ता अवधेश कुमार झा ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि बस्तर जिला अधिवक्ता संघ एवं बस्तर चेंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा संयुक्त रूप से आगामी दिनों बस्तर में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के खंडपीठ को स्थापित करने के लिए किए जा रहे बैठक एवं जनांदोलन का पूर्ण रूप से समर्थन करती है उन्होंने कहा की छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के बाद से ही कांग्रेस पार्टी बस्तर की भौगोलिक परिस्थितियों एवं यहां के बहुसंख्यक आदिवासी समुदाय को सस्ता एवं सुलभ न्याय उपलब्ध करवाने के लिए खंडपीठ की मांग का समर्थन करते आ रही है कोन्टा और भोपालपटनम जैसे दूरस्थ अंचल जिसकी दूरी बिलासपुर हाईकोर्ट के 500 से 600 किलोमीटर है यहां के लोगों को उच्च न्यायालय तक जाने आने में तीन दिनों का समय एवं अत्यधिक राशि खर्च करना पड़ता है ऐसे में यहां खंडपीठ खोलने में गरीबों को सस्ता और सुलभ न्याय मिल पाएगा क्षेत्रफल में केरलम से भी बड़े भूभाग वाले बस्तर संभाग की उपेक्षा हमेशा से होते हुए आई है अब जबकि खंडपीठ की मांग को लेकर सभी संगठन एवं समाज एक होकर जनांदोलन का रूप दे रहे ऐसे में कांग्रेस पार्टी अपना पूरा समर्थन इस आंदोलन को देने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रथम चरण स्व-गणना 16 से 30 अप्रैल तक, मकान सूचीकरण 1 से 30 मई तक

दंतेवाड़ा, 19 अप्रैल । छत्तीसगढ़ राज्य में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 01 मई से 30 मई 2026 तक किया जाएगा। इसके पूर्व स्व-गणना की प्रक्रिया 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 के बीच संपादित होगी।इच्छुक नागरिक 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 के बीच निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर अपने परिवार एवं मकान से संबंधित जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं। स्व-गणना के दौरान नागरिकों को यह सुविधा रहेगी कि वे जानकारी को सबमिट करने से पहले उसमें आवश्यक संशोधन कर सकें, लेकिन एक बार जानकारी सबमिट हो जाने के बाद उसमें कोई परिवर्तन संभव नहीं होगा।स्व-गणना पूर्ण करने वाले प्रत्येक परिवार को एक विशेष स्व-गणना आईडी प्रदान की जाएगी, जिसे सुरक्षित रखना अनिवार्य होगा। आगामी 01 मई से 30 मई 2026 के बीच जब प्रगणक घर-घर पहुंचेंगे, तब परिवारों को यह आईडी साझा करनी होगी। इसके आधार पर प्रगणक दर्ज जानकारी का सत्यापन कर उसे अंतिम रूप प्रदान करेंगे।

खाद्य विभाग में अधिकारियों का नया कार्य विभाजन

दंतेवाड़ा, 19 अप्रैल । कलेक्टर कार्यालय (खाद्य शाखा), द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार जिले में सहायक खाद्य अधिकारियों एवं खाद्य निरीक्षकों के मध्य कार्यों के सुचारू संचालन, समयबद्ध निष्पादन एवं प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने हेतु नवीन कार्य विभाजन आदेश जारी किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार, विभिन्न विकासखण्डों में पदस्थ अधिकारियों को उनके दायित्वों के अनुरूप क्षेत्र आवंटित किए गए हैं। इसके अनुसार सहायक खाद्य अधिकारी श्रीमती प्रीति पाण्डेय को विकासखण्ड कटेकल्याण तथा सहायक खाद्य अधिकारी मनोज कुमार सारथी को विकासखण्ड गीदम में खाद्य निरीक्षकों के कार्यों की निगरानी के साथ खाद्यान्न भंडारण एवं वितरण की सतत निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है।

मांड नदी का जल पहुंचा चपले के खेत-खलिहानों तक, बिना बिजली सिंचाई से बदली तस्वीर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 19 अप्रैल। रायगढ़ जिले के ग्राम चपले में मांड नदी पर निर्मित एनीकट अब ग्रामीण विकास और जल प्रबंधन का एक सफल मॉडल बनकर उभर रहा है। जहां कभी गर्मी के दिनों में गांव का तालाब पूरी तरह सूख जाता था और ग्रामीणों को पानी के लिए जूझना पड़ता था, वहीं आज उसी स्थान पर जल उपलब्धता की नई कहानी लिखी जा रही है। हाइड्रोपंपिंग तकनीक के माध्यम से बिना बिजली के पानी को गांव तक पहुंचाने की यह पहल न सिर्फ तकनीकी दृष्टि से अनूठी है, बल्कि ग्रामीण जीवन में सकारात्मक बदलाव का सशक्त उदाहरण भी बन गई है।चपले एनीकट में संग्रहित मांड नदी के जल का सुनियोजित उपयोग करते हुए टरबाइन आधारित हाइड्रोपंपिंग प्रणाली विकसित की गई है। इस प्रणाली के तहत एनीकट में उपलब्ध कुल 280

लीटर प्रति सेकंड जल में से लगभग 23 लीटर प्रति सेकंड जल को पंप कर करीब एक किलोमीटर दूर स्थित गांव के तालाब (डिस्ट्रीब्यूशन टैंक) तक पहुंचाया जा रहा है। विशेष बात यह है कि पूरी प्रक्रिया बिना बिजली के संचालित हो रही है, जिससे ऊर्जा की बचत के साथ-साथ संचालन लागत में भी उल्लेखनीय कमी आई है। यह पर्यावरण के अनुकूल और दीर्घकालिक समाधान के रूप में सामने आया है।

इस परियोजना के तकनीकी पक्ष को मजबूत बनाने में भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलुरु का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। संस्थान के प्रोफेसर पुनीत सिंह के मार्गदर्शन में टरबाइन पंप का डिजाइन तैयार किया गया, जिसने इस योजना को व्यवहारिक और प्रभावी बनाने में अहम भूमिका निभाई। यह सहयोग दर्शाता है कि किस प्रकार उच्च तकनीकी संस्थान और प्रशासन मिलकर ग्रामीण क्षेत्रों में नवाचार को जमीन पर उतार सकते हैं। परियोजना के सफल क्रियान्वयन में जिला प्रशासन की सक्रिय भूमिका भी उल्लेखनीय रही है। जिला कलेक्टर के नेतृत्व में इस कार्य की निरंतर मॉनिटरिंग की गई। साथ ही बंगलुरु के प्रोफेसर पुनीत सिंह तथा जल संसाधन संभाग रायगढ़ के कार्यपालन अभियंता श्री होमेश नायक सहित अन्य अधिकारियों द्वारा समय-समय पर स्थल निरीक्षण कर गुणवत्ता और प्रगति सुनिश्चित की गई। यही कारण है कि यह योजना निर्धारित समय में सफलता के साथ पूर्ण हो सकी। इस पहल का सीधा लाभ अब गांव के किसानों और ग्रामीणों को मिल रहा है। जहां पहले खेत सूखे रह जाते थे और फसल उत्पादन प्रभावित होता था, वहीं अब सिंचाई की बेहतर व्यवस्था से किसानों में नई उम्मीद जगी है। किसान दिनेश पटेल का कहना है कि पहले गर्मी में पानी के लिए काफी परेशानी होती थी, अब तालाब में पानी आने लगा है तो फसल की चिंता काफी कम हो गई है। यह हमारे लिए बड़ी राहत है। गांव के किसान श्याम सुंदर ने बिना बिजली के इस तरह पानी एक किलोमीटर दूर तालाब तक आना, हमारे लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है। अब हम दूसरी फसल लेने की भी योजना बना रहे हैं। वहीं किसान हीतराम राठिया बताते हैं कि पहले खेत सूखे रह जाते थे, लेकिन अब पानी मिलने से खेती आसान हो जाएगी। इसका फायदा पूरे गांव को मिलेगा। इस योजना से न केवल सिंचाई व्यवस्था मजबूत हुई है, बल्कि ग्रामीणों को निस्तारी के लिए भी स्थायी समाधान मिला है। गांव की महिलाओं को अब निस्तारी के लिए दूर-दूर तक पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा ,जिससे उनके समय और श्रम की भी बचत हो रही है। आज चपले का वही तालाब, जो कभी गर्मी में पूरी तरह सूख जाता था, अब फिर से भरने लगा है। पानी की उपलब्धता ने गांव के वातावरण को बदल दिया है,जहां पहले सूखा और चिंता थी, वहां अब हरियाली और संतोष का माहौल है।

एक नजर

जनगणना-2027: मई माह में अवकाश के लिए पूर्व अनुमति अनिवार्य

रायगढ़, 19 अप्रैल। भारत सरकार, गृह मंत्रालय के अधीन महारजिस्ट्रार कार्यालय के निर्देशानुसार जनगणना-2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक निर्धारित किया गया है। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को जिले में व्यवस्थित एवं समयबद्ध रूप से संपन्न कराने के लिए कलेक्टर द्वारा आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार, जनगणना कार्य में संलग्न अधिकारी एवं कर्मचारियों को अवकाश लेने से पूर्व कलेक्टर से अनुमोदन प्राप्त करना आवश्यक होगा। साथ ही, बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने से भी परहेज करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्देशों में यह भी उल्लेखित है कि विशेष परिस्थितियों में जिला जनगणना शाखा के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत करने पर ही अवकाश स्वीकृत किया जाएगा। पूर्व में स्वीकृत अवकाश के प्रकरणों में भी संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को पुनः आवेदन प्रस्तुत कर कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त करना होगा। कलेक्टर ने सभी कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया है कि वे आदेश का पालन सुनिश्चित कराएं, ताकि जनगणना-2027 का कार्य निर्धारित समय-सीमा में सुचारू रूप से पूर्ण किया जा सके।

खुसरूपाली बागबाहरा विद्यालय में किया नेवता भोज का आयोजन

महासमुंद 19 अप्रैल । विकासखंड बागबाहरा अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला खुसरूपाली में आज नेवता भोज कार्यक्रम का गरिमामय एवं सुव्यवस्थित आयोजन किया गया। यह आयोजन कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह द्वारा अपनी माता स्व. संतोष कुमारी जी की पुण्य स्मृति में आयोजित किया गया। जो सेवा भावना, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं को सुदृढ़ करने की प्रेरणादायक पहल के रूप में परिलक्षित हुआ। कार्यक्रम के लिए विद्यालय परिसर को स्वच्छ, आकर्षक एवं सुव्यवस्थित रूप से सजाया गया था। विद्यार्थियों, अभिभावकों और ग्रामवासियों के लिए बेहतर बैठने की व्यवस्था की गई थी। पूरे आयोजन में अनुशासन और मर्यादा का विशेष ध्यान रखा गया। भोजन की गुणवत्ता उत्कृष्ट रही और वितरण व्यवस्था पारदर्शी एवं सुचारू रूप से संपन्न हुई। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे ने उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता जैसे मानवीय मूल्यों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस दौरान डीईओ श्री लहरे ने विद्यार्थियों को खीर, पुड़ी एवं मिठाई परोसा। इस अवसर विद्यालय के वातावरण में उत्साह का माहौल रहा।कार्यक्रम में सरपंच पवन ठाकुर, एसएमडीसी अध्यक्ष, विद्यालय परिवार, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी शामिल हुए। साथ ही एबीईओ रामता मन्नाडे, सीएसी देव सिन्हा, प्रधानपाठक प्रेमचंद डड़सेना सहित शिक्षकों और स्टाफ की उपस्थिति रही। सभी ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

धमतरी जिले में 45 नए तालाबों के लिए 651.97 लाख रुपये स्वीकृत

धमतरी, 19 अप्रैल। धमतरी जिला प्रशासन द्वारा जल संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना ÷मोर गांव मोर पानी मोर तरिया अभियान (नवा तरिया आय के जरिया)÷ वीबी-जी राम जी के अंतर्गत जिले में 45 नए तालाबों के निर्माण हेतु 651.97 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से क्रियान्वित होने वाले इन कार्यों से न केवल भूजल स्तर में सुधार आएगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी।कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास और जल संसाधनों का प्रबंधन हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन तालाबों के माध्यम से गांवों में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा और किसानों को सीधा लाभ पहुँचेगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जल संकट से जूझ रहे क्षेत्रों में जल स्तर को बढ़ाना और कृषि एवं पशुपालन के लिए पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित करना है।इन तालाबों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के व्यापक अवसर सृजित होंगे। मनरेगा के अंतर्गत स्थानीय श्रमिकों को प्राथमिकता मिलने से ग्रामीणों की आय में वृद्धि होगी और आर्थिक सशक्तिकरण को बल मिलेगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरुण कुमार सार्वा, श्रीमती अंगिरा ध्रुव अध्यक्ष जनपद पंचायत धमतरी, श्री विरेन्द्र साहू अध्यक्ष जनपद पंचायत मगरलोड, श्री गजेन्द्र सिंह ठाकुर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धमतरी, श्री योगेश आनंद कार्यपालन अभियंता प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, श्री धरम सिंह सहायक परियोजना अधिकारी मनरेगा, ग्राम पंचायत पंचायत सरपंच एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

ग्राम सरवानी में जल जीवन मिशन का प्रभावी क्रियान्वयन घर-घर नल की सुविधा से बदली ग्रामीणों की दिनचर्या

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 19 अप्रैल। रायगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम सरवानी आज जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से सकारात्मक बदलाव का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। 297 घरों और 1203 की आबादी वाले इस ग्राम में 1 प्राथमिक शाला, 1 माध्यमिक शाला तथा 3 आंगनवाड़ी केंद्र संचालित हैं।

कुछ वर्ष पूर्व तक ग्राम सरवानी जल संकट से जूझ रहा था, जहां ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं को पेयजल के लिए कुएं और दूरस्थ हैंडपंपों पर निर्भर रहना पड़ता था। गांव की निवासी श्रीमती सुनीता सिदार का जीवन भी इसी संघर्ष का प्रतीक था, जहां उन्हें प्रतिदिन घंटों कतार में खड़े रहकर पानी लाना पड़ता था और कई बार पर्याप्त पानी भी उपलब्ध नहीं हो पाता था। बरसात के मौसम में स्थिति और अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाती थी, जब तालाब और

खुले स्रोतों का दूषित पानी उपयोग करने की मजबूरी के कारण परिवार के सदस्य बीमार पड़ जाते थे तथा बच्चों में पेट दर्द, बुखार और त्वचा संबंधी समस्याएं आम थीं। इन परिस्थितियों के बीच जल जीवन मिशन के तहत ग्राम में पाइपलाइन बिछाकर हर घर तक नल कनेक्शन उपलब्ध कराने का कार्य प्रारंभ किया गया, जिसने परिवर्तन की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाई। कुछ ही समय में सुनीता सिदार के घर में भी नल कनेक्शन स्थापित हो गया, जिससे उनके जीवन में व्यापक सकारात्मक बदलाव देखने को मिला। अब उनके घर में नियमित रूप से स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध है, जिससे पानी के लिए भटकने और घंटों इंतजार करने की समस्या पूरी तरह समाप्त हो गई है। इससे उनकी दिनचर्या सरल और व्यवस्थित हुई है तथा वे अपने परिवार को अधिक समय दे पा रही हैं और बच्चों को समय पर स्कूल भेजना संभव हो गया है। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से परिवार के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। बीमारियों में कमी आई है और बच्चों की पढ़ाई पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। वहीं समय और श्रम की बचत ने सुनीता सिदार को आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी प्रदान किया है। उन्होंने स्व-सहायता समूह से जुड़कर सिलाई एवं छोटे घरेलू व्यवसाय की शुरुआत की है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई है और वे परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। यह परिवर्तन केवल एक परिवार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे ग्राम सरवानी में इसका व्यापक प्रभाव देखने को मिला है। गांव में स्वच्छता का स्तर बेहतर हुआ है और लोग स्वच्छ पेयजल के महत्व को समझने लगे हैं। महिलाएं अब सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास और आत्मसम्मान बढ़ा है। जल जीवन मिशन ने ग्राम सरवानी को केवल पेयजल सुविधा ही नहीं दी, बल्कि एक स्वस्थ, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने का आधार भी प्रदान किया है। श्रीमती सुनीता सिदार की यह कहानी इस बात का सशक्त प्रमाण है कि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन समाज में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। आज ग्राम सरवानी एक नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है।

संविदा भर्ती के लिए पात्रता सूची जारी

जगदलपुर, 19 अप्रैल। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन शक्ति अंतर्गत सखी निवास एवं शक्ति सदन में रिक्त संविदा भर्ती हेतु पदों पर जिले की वेबसाइट में गूगल शीट के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गये थे। प्राप्त आवेदन पत्रों को जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा स्क्रीनिंग कर पात्र एवं अपात्र की प्रारंभिक सूची तैयार की गई है।

इस सूची का अवलोकन जिले की वेबसाइट एवं कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जगदलपुर जिला-बस्तर के सूचना पटल पर किया जा सकता है। संबंधित आवेदकों के द्वारा उपरोक्त सूची अनुसार आगामी 29 अप्रैल 2026 तक कार्यालयीन समय सायंकाल 5:30 बजे तक दावा-आपत्ति स्वीकार की जावेगी।

प्राइस सपोर्ट स्कीम के तहत रबी वर्ष 2025-26 के लिए दलहन-तिलहन खरीदी का शुभारंभ

महासमुंद 19 अप्रैल । प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के तहत प्राईस सपोर्ट स्कीम के अतंर्गत रबी वर्ष 2025-26 में दलहन / तिलहन खरीदी का शुभारंभ जिले के 03 उपार्जन केन्द्रों में किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किसानों द्वारा तिलहन उत्पाद का उपार्जन किया गया। जिसमें कृषि उपज मंडी पिटियाझर महासमुंद में कृषक श्री खोरबाहरा निषाद ग्राम घोडारी द्वारा 7 क्विंटल सरसों बीज उपार्जन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री जागेश्वर चन्द्राकर, उप संचालक कृषि श्री एफ.आर. कश्यप, जिला नोडल अधिकारी श्री अविनाश शर्मा, अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती गणेश्वरी बंजारे, जिला विपणन महासमुंद से प्रोग्रामर श्री प्रशांत जोशी, समिति प्रबंधक एवं कृषकगण उपस्थित रहे।

इसी तरह कृषि उपज मंडी बसना के कृषक श्री मोहन नायक ग्राम दलदली द्वारा 15 क्विंटल सरसों बीज उपार्जन किया गया। इस अवसर श्री रमेश अग्रवाल, श्रीमती दीपा अरुण साह, बसना सहकारी समिति अध्यक्ष श्री जन्मजय साव उपस्थित रहें। इसके अलावा कृषि उपज मंडी सरायपाली में कृषक श्री पंकज राज पटेल ग्राम कुटेला (1.5 किंव.) एवं श्री सागरचंद पटेल ग्राम केना (01 क्विं.) से किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियो ं एवं कृषि विभाग के अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही तथा बड़ी संख्या में कृषक भी उपस्थित होकर योजना का लाभ लेने पहुंचे।कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मोगरा पटेल, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री प्रकाश पटेल, कृषि सभापति श्रीमती बालमोती पटेल एवं अन्य जनप्रतिनिधियो ने सहभागिता करते हुए किसानों को योजना का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर अनुविभागीय राजस्व अधिकारी, अनुविभागीय कृषि अधिकारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी मण्डी सचिव, प्रा.कृ.सा. सह. समिति सरायपाली प्रबंधक, कृषि विकास अधिकारी एवं समस्त ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों द्वारा सरसों की गुणवता जांच, तौल प्रक्रिया एवं खरीदी व्यवस्था का निरीक्षण किया गया।

जनगणना-2027 जिले में स्व-गणना शुरू,सीईओ जिला पंचायत ने भरा ऑनलाइन स्व-गणना पत्रक

मोहला 19 अप्रैल । जनगणना निदेशालय के निर्देशानुसार जिले में 16 अप्रैल से स्व-गणना शुरू हो गया है। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती भारती चंद्राकर ने आज सुबह निर्धारित पोर्टल से अपना स्व-गणना पत्रक ऑनलाइन भरा। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती भारती चंद्राकर ने जिलेवासियों से अपील की है कि जनगणना के लिये आने वाले प्रगणकों को बेझिझक सही-सही जानकारी दें। आपके द्वारा दी गई जानकारी पूर्णतः गोपनीय रहेगी। स्पष्ट प्रावधान है कि आपके द्वारा दी गई जानकारी का उपयोग साक्ष्य के रूप में स्वीकार नहीं होगा।

जनगणना के आंकड़े किसी योजना के हितग्राहियों क़ी पात्रता के लिए नहीं बल्कि कल्याणकारी योजनाओं, संसाधनों के वितरण

तथा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन कार्य के लिये आधार बनते हैं। बताया गया कि शासन द्वारा नागरिकों की सुविधा के लिए आसान एवं सरल प्रक्रिया के तहत स्व-गणना भरने की सहूलियत दी गई है। घर का मुखिया इस फार्म को भर सकते है। एक मोबाइल से केवल एक ही स्व-गणना फार्म भरा जा सकता है। यह फॉर्म सुबह 6 बजे से रात 12 बजे तक भरा जा सकता है। इससे एक आई डी प्राप्त होगा जिसे प्रगणक के घर आने पर बताना होगा। यदि स्व-गणना फॉर्म नहीं भर पाते तो 1 से 30 मई के बीच प्रगणक घर आकर जानकारी लेंगे। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना- भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत जिले में भी दो चरणों में जनगणना होगी। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (एचएलओ) कार्य 01 मई से 30 मई 2026 तक किया जायेगा। जनगणना कार्यक्रम के तहत प्रगणक घर-घर जाकर सेन्सस 2027 हाउस लिस्ट मोबाइल एप का उपयोग कर डिजिटल डाटा संग्रह करेंगे। साथ ही लोगों द्वारा पोर्टल पर स्व-गणना के तहत भरी गई जानकारी का सत्यापन भी करेंगे। दोनों तरह से प्राप्त डाटा की बहुस्तरीय जाँच होगी। पहले यह कार्य पर्यवेक्षकों द्वारा किया जायेगा। साथ ही चार्ज अधिकारी भी मैदान में जाकर पुनः सत्यापन कर त्रुटियां ठीक करायेंगे। ग्राम व नगर रजिस्टर का प्रारूप व विषय वस्तु, ग्रामीण व नगरीय चार्ज रजिस्टर, प्रगणक, पर्यवेक्षकों व चार्ज अधिकारियों के कार्य, पर्यवेक्षण व कानूनी शक्तियां इत्यादि के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।

जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेस-4 के तहत सड़कों का वर्चुअल भूमिपूजन

मोहला 19 अप्रैल । छत्तीसगढ़ शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत आज पूरे प्रदेश में स्वीकृत सड़कों का वर्चुअल भूमिपूजन मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा जशपुर जिले से किया गया। इसी क्रम में जिला मुख्यालय मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेस-4 का शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष भोजेश शाह मांडवी, जिला पंचायत सदस्य श्री नरसिंग भंडारी, जिला पंचायत सदस्य श्री लखन सिंह कलामें, जनप्रतिनिधि श्री दिलीप वर्मा, जनप्रतिनिधि श्री मदन साहू, सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी, आम नागरिक उपस्थित रहे। योजना के अंतर्गत जिले में कुल 3 सड़कों के निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जिनकी कुल लंबाई 9.90

किलोमीटर तथा कुल स्वीकृत राशि 1151.66 लाख रुपए है। इनमें मोहला विकासखंड के अंतर्गत घावडेटोला से झरन तक 3.80 किमी सड़क निर्माण हेतु 453.53 लाख रुपये तथा वासडी रोड से गोटाटोला तक 3.00 किमी सड़क के लिए 312.28 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं मानपुर विकासखंड में टाटेकसा से पिटेमेटा तक 3.10 किमी सड़क निर्माण के लिए 385.85 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। कार्यक्रम के दौरान जिले में ÷नवा तरिया-आय का जरिया÷ अभियान के तहत 10 तालाब निर्माण कार्यों का भूमिपूजन भी किया गया। इसके साथ ही भर्रीटोला में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र का लोकार्पण भी जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री भोजेश शाह मांडवी ने अपने संबोधन में कहा कि सड़कों के निर्माण से दूरस्थ ग्रामों को मुख्य मार्गों से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच आसान होगी। साथ ही आवागमन सुगम होने से ग्रामीणों को ब्लॉक एवं जिला मुख्यालय तक आने-जाने में सुविधा होगी, जिससे शासकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सकेगा। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती भारती चंद्राकर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिले में स्वीकृत सड़कों, ÷नवा तरिया-आय का जरिया÷ अभियान एवं अटल डिजिटल सुविधा केंद्र के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं के माध्यम से जहां एक ओर बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर जल संरक्षण, आजीविका संवर्धन और डिजिटल सेवाओं की पहुंच को भी सुदृढ़ किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में स्वीकृत सड़कों एवं तालाब निर्माण कार्यों के स्वीकृति पत्र उपस्थित सरपंचों को जनप्रतिनिधियों द्वारा वितरित किए गए।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय भोरिंग के कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम घोषित

महासमुंद 19 अप्रैल । एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय भोरिंग का कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 15 अप्रैल को जारी किए गए इस परिणाम में विद्यालय के छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

इस वर्ष के परीक्षा परिणाम में कीर्ति ठाकुर ने 500 में से 405 अंक अर्जित कर 81 प्रतिशत के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया है। वहीं मनीषा ध्रुव ने 397 अंक (79.4 प्रतिशत) के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि कामना ध्रुव 391 अंक (78.2 प्रतिशत) के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। इसके अलावा ऐश्वर्या और जाग्रति ठाकुर ने भी क्रमशः 76.6 और 76.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शीर्ष पांच में अपनी जगह बनाई।

विद्यालय में इस वर्ष कुल 53 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे, जिनमें से 48 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। चार विद्यार्थियों को कम्पार्टमेंट प्राप्त हुआ है और एक विद्यार्थी अनुपस्थित रहा। विषयवार प्रदर्शन में विद्यार्थियों ने विशेष रूप से हिंदी और सामाजिक विज्ञान में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। हिंदी विषय में अधिकतम 92 अंक प्राप्त किए गए, वहीं सामाजिक विज्ञान में कामना ध्रुव ने सर्वाधिक 95 अंक हासिल हासिल किया।

संवरते कोरबा की एक और निशानी है कोरबा रायफल शूटिंग रेंज:उद्योग मंत्री

रायपुर, 19 अप्रैल । प्रदेश के वाणिज्य उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने शानिवार को कहा कि हमारा कोरबा शहर तेजी के साथ बदल रहा है, तेजी के साथ संवर रहा है तथा शहर को नित नई उपलब्धियॉं प्राप्त हो रही है। उन्होने कहा कि नगर निगम द्वारा स्थापित कोरबा रायफल शूटिंग रेंज बदलते कोरबा - संवरते कोरबा की एक और निशानी है, एक और प्रमाण है, उन्होने कहा कि कोरबा के खिलाड़ियों, रायफल शूटिंग के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने वाले यहॉं के युवाओं, बच्चों व शूटिंग प्रेमियों को रायफल शूटिंग रेंज की यह बड़ी सौगात देने के लिये मैं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय व सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर को बधाई एवं साधुवाद देता हूँ।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा टीपीनगर स्थित प्रियदर्शनी इंदिरा स्टेडियम के पीछे कोरबा रायफल शूटिंग रेंज की स्थापना की गई है, यहॉं उल्लेखनीय है कि निगम के सभापति श्री नूतन

सिंह ठाकुर जो कोरबा रायफल शूटिंग एकेडमी के सचिव भी हैं, के द्वारा आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के समक्ष प्रस्ताव रखा कि कोरबा में रायफल शूटिंग रेंज स्थापित किया जाये, इस प्रस्ताव पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत व आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने सहर्ष सहमति दी तथा कोरबा में रायफल शूटिंग रेंज स्थापित किया। शनिवार को आयोजित एक गरिमापूर्ण कार्यक्रम में प्रदेश के उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में कोरबा रायफल शूटिंग रेंज का विधिवत शुभारंभ किया गया, उद्योग मंत्री देवांगन ने लोकार्पण पट्टिका का अनावरण किया एवं फीता काटा तथा रायफल्स की पूजा अर्चना की एवं रायफल से शूटिंग कर शूटिंग रेंज का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने दिये गये अपने उद्बोधन में आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय खेलों के विकास व खेल सुविधायें बढ़ाने के लिये विशेष रूचि ले रहे हैं तथा हमारा देश खेलों के क्षेत्र में नित नई उपलब्धियॉं अर्जित कर रहा है, उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने मध्यक्षेत्र विकास प्राधिकरण की बैठक में जनजातीय बालक एवं बालिका क्रीड़ा परिषद के निर्माण हेतु 10-10 करोड़ रूपये की स्वीकृत दी है। उन्होने आगे कहा कि जहॉं तक नगर निगम कोरबा का प्रश्न है तो निगम ने अपने मूलभूत दायित्वों के सफल निर्वहन एवं निगम क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ कोरबा में खेल सुविधायें बढ़ाने के लिये व्यापक पैमाने पर कार्य किये हैं, जिससे हर कोई परिचित है। उन्होने कहा कि जब मैं महापौर था तो हाकी के जादूगर महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद जी की प्रतिमा स्थापित की गई है तथा उस चौक का नाम मेजर ध्यानचंद चौक किया गया था, स्टेडियम के समीप स्वीमिंग पूल निर्मित हुआ था तथा ओपन थियेटर घंटाघर मैदान को संरक्षित किया गया, जहॉं पर नित नई क्रीडा गतिविधियॉं आज संचालित हो रहा है। उन्होने कहा कि कोरबा रायफल शूटिंग रेंज की स्थापना से रायफल शूटिंग के खिलाड़ियों को एक बड़ी सुविधा मिल चुकी है, वे यहॉं पर प्रेक्टिस कर सकेंगे तथा नेशनल व इंटरनेशनल प्लेटफार्म पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुये कोरबा जिला व छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे। उन्होने कहा कि कोरबा रायफल शूटिंग एकेडमी को शूटिंग रेंज के विकास के लिये, यहॉं पर आधुनिक सुविधाओं की उपलब्धता के लिये, जो भी आवश्यक होगा वह सहयोग निश्चित रूप से दिया जायेगा।

सुशासन तिहार:ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में लगेंगे जन समस्या निवारण शिविर

कलेक्टर ने तैयारी के लिए ली अधिकारी-कर्मचारियों की ऑनलाइन समीक्षा बैठक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 19 अप्रैल। सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत आगामी 1 मई से 10 जून 2026 तक ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जाएगा जिसमें लोगों की समस्या, शिकायत व मांग सम्बंधित आवेदनों का निराकरण एवं योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। जिले में जन समस्या निवारण शिविर आयोजन हेतु कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने शनिवार को अधिकारियों की ऑनलाइन बैठक लेकर जरुरी निर्देश दिये।

कलेक्टर शर्मा ने कहा कि प्रत्येक विकासखंड में चिन्हांकित 5-से 6 चिन्हाकित क्लस्टर ग्रामपंचायतों में

आयोजित होगा। एक -एक क्लस्टर ग्राम पंचायतों में लगभग 15 से 20 ग्राम पंचायत होंगे। उन्होंने कहा कि शिविर का उपयुक्त स्थान चिन्हांकित करें जिसमें हेलीपेड एवं मार्ग का विशेष ध्यान रखा जाय ताकि किसी भी शिविर में वीवीआईपी मूवमेंट होने पर व्यवस्था दुरुस्त रहे। शिविर में विभागीय स्टॉल लागए जायेंगे जिसमें योजनाओं की जानकारी दी जाएगी. पात्र हितग्राहियों को

लाभान्वित किया जाएगा। इसके साथ ही मेडिकल कैम्प, पेयजल, मंच, पंडाल एवं कला जत्था की टीम भी रहेगी।

शिविर में लोगों के आवेदन लेने हेतु काउंटर बनाए जायेंगे एवं नोडल अधिकारी भी बनाए जाएंगे। प्राप्त आवेदनों का एप्प में एंट्री कर सम्बंधित विभाग को निराकरण हेतु भेजा जाएगा।

कलेक्टर ने कहा कि सभी विकासखंड में शिविर की मॉनिटरिंग के लिये भी नोडल अधिकारी बनाए जायेंगे। उन्होंने सभी एसडीएम, जनपद सीईओ एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियो को शिविर के लिये सभी आवशयक तैयरी हेतु कार्ययोजना बनाकर तेजी से कार्य करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही 30 अप्रैल तक विभागों में लंबित आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित कराने कहा।

इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुश्री दीप्ति गोते, संयुक्त कलेक्टर सीमा ठाकुर सहित अन्य अधिकारी एन आईसी कक्ष में उपस्थित थे।

समाचार संक्षेप

सट्टा पट्टी लिखने वाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़, 19 अप्रैल। जिले भर में अवैध जुवां, सट्टा पर रोक लगाए जाने अभियान के तहत पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देश में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी डोंगरगढ़ केशरी नंदन नायक के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी डोंगरगढ़ (प्रशिक्षु) छ्स्क्कसुमन जायसवाल के नेतृत्व में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 17 अप्रैल शुक्रवार को मुखबिर सूचना पर आरोपी सैय्यद आसिफ पिता सैय्यद यूसुफ उम्र 37 वर्ष, निवासी बुधवारी पारा को सिंघोला तालाब किनारे, खैरागढ़ रोड डोंगरगढ़ के पास अंकों पर रुपये-पैसों का दांव लगाकर सट्टा लिखते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 03 नग सट्टा-पट्टी, 01 डॉट पेन, नगदी 850/- रुपये एवं 02 नग मोबाइल फोन (कीमती लगभग 10, 000/- रुपये) जप्त कर कुल 10, 850/- रुपये बरामद किया गया। आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 6 के तहत कार्यवाही कर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

एक नजर

सेवानिवृत्त पर विष्णु विश्वकर्मा को समारोह आयोजित कर दी विदाई

राजनांदगांव, 19 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। समीपस्थल ग्राम भोथीपार खुर्द में राजाराम मेझ प्रोडक्ट में उच्च कुशल श्रमिक विष्णु विश्वकर्मा को 60 वर्ष पूर्ण करने पर श्रमिको ने विदाई समारोह किया गया जिसमें स्मृति चिन्ह एवं शाल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया योगेन्द्र दास वैष्णव अध्यक्ष राष्ट्रीय ग्लुकोज़ स्टार्च केमिकल मजदूर संघ ने विष्णु विश्वकर्मा के बारे सभी श्रमिको जानकारी दिया कुशल कार्य जिम्मेदारी निर्वहन कत्तर्व्य पूर्ण करते सेवानिवृत्त हुए जिससे श्रमिको प्रेरणा लेना चाहिए इसके उज्वल भविष्य कामना करते विदाई किया गया इंचार्ज बृजकिशोर शर्मा देवनारायण साहू वाशु निषाद टाईम कीपर तेजराम पटेल गार्ड सतीश श्रमिक उत्तम साहू डामन दास वैष्णव भीखम वर्मा तुलेश हरि साहू अमर लाल साहू सहित श्रमिक गण उपस्थित रहा।

रेत का अवैध उत्खनन कर, परिवहन करने वाले

चार आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

लवन, 19 अप्रैल। थाना लवन पुलिस द्वारा आरोपियों को तुरमा घाट से रेत निकालकर जाते हुए, लवन मेनरोड में घेराबंदी कर रेत से भरे ट्रैक्टर सहित पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपियों के विरुद्ध चोरी की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। आरोपी ट्रैक्टर चालक तुरमा घाट से अवैध रूप से रेत का खनन कर ट्रैक्टर के माध्यम से परिवहन कर रहे थे। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर, जेल भेजने की प्रक्रिया जा रही है। आरोपियों से रेत से भरे 4 ट्रैक्टर, ट्रॉली जब्त किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार 18 अप्रैल को सूचना मिली कि कुछ ट्रैक्टर वाहन चालकों द्वारा तुरमा घाट से अवैध रूप से रेत उत्खनन कर ट्रैक्टर के माध्यम से परिवहन किया जा रहा है। कि सूचना पर पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन पर थाना लवन पुलिस द्वारा मेनरोड लवन में घेराबंदी करते हुए 04 ट्रैक्टर को वाहन चालक सहित पकड़ा गया। पुलिस द्वारा सभी वाहन चालकों से विस्तृत पूछताछ किया गया, जिसमें उन सभी के द्वारा अवैध रूप से तुरमा घाट से रेत उत्खनन कर ट्रैक्टर के माध्यम से परिवहन करना स्वीकार किया गया।

प्रकरण में सभी आरोपियों के विरुद्ध थाना लवन में धारा 303(2), 3(5) बीएनएस के तहत अपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया है। प्रकरणों में सभी 04 आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर, जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। इसके साथ ही पुलिस द्वारा रेत से भरा हुआ 04 ट्रैक्टर ट्राली भी जप्त किया गया है।

आरोपियों के नाम

इशू चेलक उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम दतान ख थाना लवन। ट्रैक्टर क्रमांक CG 22AE7868

गजेन्द्र धृतलहरे उम्र 18 वर्ष निवासी ग्राम दतान ख थाना लवन। ट्रैक्टर क्रमांक CG22T0587

संकेत कुमार साहू उम्र 22 साल निवासी ग्राम भरसेला थाना सिटी कोतवाली। ट्रैक्टर क्रमांक CG22AD3211

नंद कुमार पटेल उम्र 26 साल निवासी ग्राम अमलडीहा थाना लवन ट्रैक्टर क्रमांक CG22 AF9545

जनगणना : आई-गॉट कर्मयोगी का सभी को अनिवार्य रूप से ट्रेनिंग लेने आयुक्त ने दिए निर्देश

■ आयुक्त व नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारियों ने ऑनलाइन जनगणना पोर्टर में भरी अपनी जानकारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 19 अप्रैल। भारत की जनगणना 2027 के लिए प्रथम चरण में मकान नम्बरिंग तथा प्रगणको को प्रशिक्षण देने का कार्य किया जा रहा है। इसी कडी में अप्रैल माह के अंत तक ऑन लाईन जनगणना पोर्टर में जानकारी अप लोड करना है। नगर निगम के सभी अधिकारियो व कर्मचारियो ने जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य को समझ नगर निगम सभागृह में सामुहिक रूप से ऑनलाईन जनगणना पोर्टर में जानकारी भरी। इस अवसर पर आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने आई-गॉट कर्मयोगी का सभी को अनिवार्य रूप से ट्रेनिंग लेने के लिए कहा। निगम आयुक्त विश्वकर्मा सहित निगम के अधिकारियो व कर्मचारियो ने निगम सभागृह में एकत्रित होकर एक साथ अपने अपने मोबाईल से ऑनलाईन जनगणना पोर्टर पर स्वयं अपनी जानकारी भरी। आयुक्त के नेतृत्व में सभी कर्मियो ने पोर्टर पर अपना मोबाईल नम्बर दर्ज कर वन टाईप पासवर्ड प्रमाणीकरण कर आवास, पेयजल के अलावा परिवार संबंधी जानकारी दर्ज कर, डिजिटल संदर्भ संख्या प्राप्त किए। आयुक्त ने कहा कि जनगणना के दौरान संकलित डेटा पूर्णतः गोपनिय रहेगी, इस जानकारी का उपयोग सांख्यिकीय विश्लेषण और विकास योजनाओ के निर्माण के लिए किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार अपने परिवार, परिचित से भी ऑनलाईन जानकारी भराना सुनिश्चित करे। साथ ही जिन कर्मचारियो की ड्यूटी जनगणना में लगी हुई है उन्हें 1 मई से घर घर जाकर जानकारी एकत्रित करना है। जिन लोगो के द्वारा ऑनलाईन जानकारी नही भरी जायेगी उनसे जानकारी भी अपलोड कराना है। शासन के निर्देशानुसार जनगणना कार्य के दौरान अवकाश प्रतिबंध किया गया है। अतः कोई भी अधिकारी कर्मचारी बिना सक्षम अधिकारी की स्वीकृति के अवकाश पर नही रहेगे।

बारिश के पूर्व बड़ी नाली व नाला की सफाई

प्रथम चरण में नाला सफाई पूर्णता की ओर, जे.सी.बी. व गैंग ने की सफाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 19 अप्रैल। महापौर मधुसूदन यादव एवं निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा के निर्देश पर बारिश के पूर्व शहर के सभी बड़े नाली नालो की सफाई कार्य किया जा रहा है। जिसके तहत मार्च से नाला सफाई प्रारंभ किया गया है चरणबद्ध शहर के प्रमुख नाली-नालो की सफाई कराई जा रही है। महापौर एवं आयुक्त के निर्देश पर स्वास्थ्य का अमला प्रतिदिन नाला सफाई मेनुवल एवं जे.सी.बी. के माध्यम से कर रहे है। जिसकी सतत निरीक्षण भी महापौर यादव, आयुक्त विश्वकर्मा द्वारा किया जा रहा है, वही प्र.स्वाथ्य अधिकारी राजेश मिश्रा एवं स्वच्छता निरीक्षक दीपक श्रीवास्तव सभी नाला-नाली की सफाई का जायजा लेकर सफाई दरोगा को अपने अपने क्षेत्र में चरणबद्ध सफाई कराने मार्गदर्शन दे रहे है।

नाला सफाई के संबंध में आयुक्त विश्वकर्मा ने बताया कि बरसाती पानी का बहाव ठीक ढंग से होने प्रथम चरण में नंदई चौक से सिंदई चौक दोनो ओर, प्रभात नगर नाला, राजीव नगर सेन्टर पुलिया से अस्पताल चौक, इंदिरा नगर नाला से लोहा बाड़ा तक, कन्हारपुरी शीतला मंदिर एवं कर्मा भवन के सामने नाला, बीके नगर कच्चा नाला, शांति नगर नाला, लखोली मेन रोड नाला, महामाया चौक से कल्याणिका देव स्थानक मंदिर तक नाला एवं भरकापारा के नालो की सफाई कराई जा रही है, शेष नालो की भी सफाई कराई जायेगी। महापौर यादव एवं आयुक्त विश्वकर्मा ने प्र.स्वास्थ्य अधिकारी से कहा कि जिन क्षेत्रों की नाला सफाई नहीं हुयी है वहा अविलंब

सफाई प्रारंभ किया जाये। इसके अलावा अन्य नाले की सफाई जहॉ जे.सी.बी. से कराना संभव नहीं है वहा गैंग बनाकर सफाई कराया जाये। उन्होंने कहा कि जल शुद्धिकरण, सडे गले फल सब्जियों का विनिष्टिकरण, फागिंग स्प्रे आदि कार्य ग्रीष्म ऋतु में बेहतर रूप से संपादित किया जाये। उन्होंने ग्रीष्म काल में होने वाले बीमारियों के रोकथाम व विभिन्न सफाई अभियान सम्पादित कराये जाने के साथ साथ जल शुद्धिकरण अंतर्गत निगम सीमान्तर्गत तालाबों में डल्ला चूना व ब्लीचिंग पाउडर डालकर जलशुद्धिकरण कराने निर्देशित किये। इसके अलावा वार्डो में प्रतिदिन साफ सफाई कर कचरा उठाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को देखते हुये शहर में सफाई व्यवस्था दुरूस्त किया जावे। सभी सफाई कर्मी निर्धरित समय तक सफाई करना सुनिश्चित करेंगे, लंबे समय से अनुपस्थित कर्मियों के विरूद्ध कार्यवाही करे। स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता लाकर जनमानस को भी स्वच्छता से जोडे।

विस अध्यक्ष, विधायक, सांसद व महापौर ने दी अक्षय तृतीय व परशुराम जयंती की बधाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 19 अप्रैल। अक्षय तृतीया एवं भगवान परशुराम की जयंती पर विधानसभा अध्यक्ष व विधायक डॉ. रमन सिंह तथा सांसद संतोष पाण्डे एवं महापौर मधुसूदन यादव ने नगर वासियों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने भगवान परशुराम की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे भगवान शंकर के परम भक्त थे। भगवान शंकर ने ही परशुराम को एक अमोघ अस्त्र. परशु प्रदान किया था। इनका वास्तविक नाम राम था, किंतु हाथ में परशु धारण करने से ये परशुराम नाम से विख्यात हुए। ये अपने पिता के अनन्य भक्त थे, पिता की आज्ञा से इन्होंने अपनी माता का सिर काट डाला था, लेकिन पुनः पिता के आशीर्वाद से माता की स्थिति यथावत हो गई। यह ईश्वरीय चमत्कार था और उनकी परीक्षा जिसमें उन्होंने अपने पिता के आदेश पर तत्क्षण भी नहीं सोचा और अंततः ईश्वरीय चमत्कार से माता पुनः यथास्थिती में हो गई। भगवान विष्णु के अवतार परशुराम का जन्म वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हुआ था. इस वजह से हर वर्ष परशुराम जयंती इस तिथि को मनाई जाती है।

विधानसभा अध्यक्ष व विधायक डॉ. सिंह, सांसद पाण्डे एवं महापौर यादव ने अक्षय तृतीया की बधाई देते हुये कहा कि यह पर्व दान पुन्य का पर्व है, इस दिन शुभकार्य करना अच्छा माना जाता है। इसलिये इस दिन बिना मुहुर्त के शादी ब्याह सहित अन्य मांगलिक कार्य किया जाता है। छत्तीसगढ़ में इस दिन पितरों का तर्पण अक्ती पानी देकर किया जाता है। उन्होंने सभी नगरवासियों को अक्षय तृतीया एवं परशुराम जयंती की बधाई देते हुये सभी के लिये मंगलमय जीवन की कामना की है।

निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा, नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले, महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य सर्वश्री सावन वर्मा, सुनील साहू, राजेश जैन रानू, बिना ध्रुव, शैंकी बग्गा, आलोक श्रोती, राजा माखीजा, वर्षा शरद सिन्हा, केवरा विजय राय एवं डीलेश्वर प्रसाद साहू, सहित अपील समिति के सदस्यों श्रुती लोकेश जैन, संतोष कुमार साहू, मोहनी बाई एवं सेवक राम उइके, वरिष्ठ सभापति खेमीन यादव, कनिष्ठ सभापति संदीप बघेल तथा पार्षदो ने भी नागरिकों को परशुराम जयंती एवं अक्षय तृतीया पर अपनी शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम के आदर्शो पर चले और अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर शुभ कार्य कर दान पून्य कर अपने जीवन को सफल बनाये।

बलौदाबाजार में पुलिस ड्राई कैंटीन नवीन भवन का उद्घाटन

पुलिस परिवार को उचित और सस्ते दर पर सामान होगा उपलब्ध

■ मुख्य अतिथियों ने रिबन काट व पूजा कर नवीन भवन का किया उद्घाटन

■ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले में नित नए अधोसंरचनाओं का लगातार हो रहा है निर्माण

■ नवीन नवाचार के रूप में पुलिस ड्राई कैंटीन नवीन भवन का किया गया है निर्माण

■ पुलिस अधीक्षक ने स्वयं खरीदी की पुलिस ड्राई कैंटीन से

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 19 अप्रैल। पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में नित नए अधोसंरचनाओं का निर्माण लगातार किया जा रहा है। इसी क्रम में 18 अप्रैल को बलौदाबाजार में पुलिस ड्राई कैंटीन नवीन भवन का उद्घाटन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में जिला कलेक्टर कुलदीप शर्मा, पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, अशोक जैन नगर पालिका अध्यक्ष बलौदाबाजार, आनंद यादव जिला अध्यक्ष भाजपा, योगेश अग्रवाल के मुख्य अतिथ्य में पुलिस ड्राई कैंटीन नवीन भवन का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों द्वारा रिबन काटकर एवं पूजा अर्चना कर विधिवत नवीन भवन का उद्घाटन किया गया।

जिले में पुलिस ड्राई कैंटीन की स्थापना 26 मार्च 2018 में की गई थी, इस दौरान यह पुलिस लाइन बलौदाबाजार स्थित पुराने भवन में संचालित हो रहा था, जिसमें सामान आदि रखने के लिए जगह थोड़ा छोटा था। उक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए नवीन नवाचार एवं नवीन अधोसंरचना निर्माण के क्रम में बलौदाबाजार पुलिस पेट्रोल पंप के बगल में पुलिस ड्राई कैंटीन के लिए नए भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया एवं 03 महीने के भीतर, भवन का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया। पुलिस ड्राई कैंटीन के नए भवन से पुलिस अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार को बहुत लाभ होगा। इस दौरान ड्राई कैंटीन से उचित एवं सस्ते दर में पुलिस परिवार को सामान उपलब्ध होगा। साथ ही पुलिस ड्राई कैंटीन से प्राप्त लाभांश राशि का पुलिस कल्याणकारी अन्य गतिविधियों में भी खर्च किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने सर्वप्रथम स्वयं खरीदी कर, पुलिस ड्राई कैंटीन से खरीदी पर सामान की दरों एवं कीमतों को परखा।

कार्यालय नगर पंचायत-नगरी, जिला-धमतरी (छ.ग.)

E-mail-cmonagri84@gmail.com

क्र./1094/न.पं/लो.नि.वि./नि.आ.सू. /2025-26 नगरी, दिनांक 15/12/2025

// प्रथम मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना//

नगर पंचायत नगरी, जिला धमतरी (छ.ग.) को अधोसंरचना मद वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए विभिन्न निर्माण कार्य हेतु एकीकृत पंजीकृत प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों से त्रि-लिफाफा पद्धति में रजिस्टर्ड/पंजीकृत डॉक के माध्यम से निविदा प्रपत्र-A में प्रचलित एस.ओ.आर. PWD Building SOR 01.01.2015/Electrical SOR 01.06.2020 से प्रतिशत दर पर निविदा प्रपत्र वेबसाईट से डाउनलोड कर मुहरबंद लिफाफा में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निविदा आमंत्रित की जाती हैं:- विवरण निम्नानुसार है :-

1. निविदा प्रारूप में पंजीकृत डॉक से निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि - दिनांक 06.01.2026 समय-सायं 03:00 बजे तक
2. प्राप्त निविदाएं खोलने की तिथि - दिनांक 07.01.2026 समय दोप. 12:00 बजे।

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख में)	समयावधि
1	बोर खनन, पम्प हाऊस सह शौचालय कक्ष निर्माण कार्य वार्ड 01 एवं 04 (कुल 03 कार्य)	11.43	कार्यादेशानुसार

टीपः- उपरोक्त निर्माण कार्यों की सूची एवं निविदा की सामान्य शर्तों, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट के www.uad.cg.gov.in से डाउनलोड एवं प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत नगरी

मैं कतरा होकर भी दरिया से जंग करता हूँ... मुझे बचाना समंदर की जिम्मेदारी है...

प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर बस्तर में वनों से आच्छादित पहाड़ियां, उनमें उन्मुक्त विच रण करते वन्य प्राणी, मनो हारी जलप्रपातों के साथ कल कल बहती नदियां, रहनेवाले सीधे-सादे लोग जंगली पारं परिक नृत्य मन मोह लेते थे पर पता नहीं उसे किसकी नजर लग गई...झीरम घाटी के नरसंहार के बाद विधायक भीमा मंडावी सहित 5 लोगों की हत्या आदि निश्चित ही फिर सोचने मजबूर किया था कि क्या बस्तर, छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की समस्या का कोई तोड़ सरकार के पास नहीं है....? केरल राज्य से बड़ा बस्तर उत्तर से दक्षिण तक 215 किलोमीटर लंबाई और पश्चिम से पूर्व तक 182 किलोमीटर की चौड़ाई तक फैले 39 हजार 114 वर्ग किलोमीटर बस्तर प्राकृतिक संपदा, जनजातीय संस्कृति, पुरातत्व, प्राकृतिक स्थलों के कारण देश-विदेश में प्रसिद्ध है।पर कुछ सालों से सदा बहार, निस्तब्ध वनों की खुशबू में खौफनाक जहर घोल दिया गया था।नक्सली वारदातों, बारूद की दुर्गंध और निर्मम हत्याओं को लेकर चर्चा में रहा।1972 में भोपालपट्नम में पहली बार नक्सली धमक सुनी गई थी, छग में नक्सली वारदात बढ़ती रही, दखल क्षेत्र बढ़ता गया। 76 सीआरपीएफ के जवानों की निर्मम हत्या, झीरम घाटी में 9 बार लोकसभा साँसद रहे पूर्व केन्द्रीयमंत्री विद्याचरण बतौर निर्दलीय सांसद बनने वाले पूर्व नेता प्रतिपक्ष महेन्द्र कर्मा अविभाजित मप्र, छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री रहे नंदकुमार पटेल, पूर्व विधायक उदय मुदलियार सहित 31 लोगों की शहादत हुई थी, दंतेवाड़ा में जेल ब्रेक में 299 नक्सलियों सहित कैदियों के फरार होने की वारदात हुई, एक ट्रक बारूद भी बस्तर के जंगलों से गायब होने की खबर मिलीथी राजनांदगांव जिले के मानपुर जंगल में नक्सली वारदात में एसपी विनोद चौबे की हत्या की गई। बस्तर में बिगड़ते हालात के लिए आखिर जिम्मे दार कौन था? सीआरपीएफ76 जवानों के सामूहिक नर संहार के बाद तब के एसपी को हटा दिया गया, झीरम घाटी की बड़ी वारदात के बाद भी एसपी हटा दिये गये, कले क्टर को सचिवालय अटैच कर दिया गया। दुनिया का सबसे बड़ा नक्सली जेल ब्रेक हुआ, डिप्टी जेलर कोबर्खास्त कर दिया गया। क्या बस इसी से सरकार की जिम्मेदारी पूरी हो गई थी। सुकमा कलेक्टर एलेक्स पाल मेमन का अप हरण हो गया था उनकी किन 'शर्तों' में वापसी हुई यह भी अभी तक चर्चा में है... !

बस्तर और विवाद

बस्तर संभाग का बतौर कार्य भार सम्हालने वाले तब के कमिश्नर शेखर दत्त बाद में छग के राज्यपाल बने, छत्तीसगढ़ के बतौर मुख्य सचिव का कार्यभार सम्हालने वाले सुनील कुमार ने आईएएस का प्रारंभिक प्रशिक्षण बस्तर से ही लिया।मप्र के पूर्व मुख्य सचिव आर.परशुराम भी जून 86 से मई 88 तक बस्तर के कलेक्टर रहे, नक्सलियों के करीबी समझे जाने वाले स्व. ब्रम्हदेव शर्मा भी बस्तर कलेक्टर रह चुके थे। बस्तर में कई योग्य अफसर पदस्थ रहे फिर भी नक्सलवाद के बीज को खाद-पानी मिलता रहा और वह अब विशाल वृक्ष के रूप में तब्दील हो चुका था। सीपी एण्ड बरार(मप्र- छत्तीसगढ़ इसी राज्य में शामिल था) में बस्तर की पृथक पहचान थी।आजादी के बाद एस पी मुशरान वहां प्रभारी तो 6 जनवरी 49 से 21 जनवरी 55 अर्थात लगभग 6 साल के लंबे समय तक कलेक्टर रहे आर.सी.व्ही.पी.नरोन्हा ने तो रिकार्ड ही बना डाला वही 24 दिन के कलेक्टर बनने का रिकार्ड आईएएस हर्षमंदर का है। कलेक्टर मो.अकबर ने 1962 से 66 यानि 4 साल तक बस्तर की कलेक्टरी की इन्हीं के कार्यकाल में बस्तर के मसीहा के नाम से चर्चित राजा प्रवीरचंद भंजदेव की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई वहीं कई अन्य लोग भी पुलिस फायरिंग से मारे गये। तब अविभाजित मप्र के सी एम डीपी मिश्र थे।यह मामला देश की संसद सहित विधान सभा में गूंजा था। आज भी कई सवाल अनुतरित है। डॉ. ब्रम्हदेव शर्मा 24 अगस्त 69 से 3 नवंबर 71 तक बस्तर के कलेक्टर रहे तब बस्तर में दैहिक शोषण के खिलाफ आवाज उठाई, पुरातात्विक धरोहरों की अफरा-तफरी उस समय भी हुई। 10 अक्टूबर 1977 से 1 अगस्त 1980 तक बस्तर के कलेक्टर रहे नन्हें सिंह का कार्यकाल काफी चर्चित रहा।इनके कार्यकाल में यशोदा हत्याकांड, बैला डिला गोलीकांड हुआ जिसमें कई आदिवासियों- श्रमिकों की मौत हुई थी। औद्योगिक नगरी किरंदुल (बैलाडिला की पहाड़ियों से लगा) में छटनी का विरोध करनेवाले मजदूरों -पुलिस के बीच झड़प के बाद गोली चलाई गई, कई मजदूर असमय ही कालकलवित हो गये। उस समय मजदूरों की सिलसिले वार जली झोपडियां और बैलाडिला की रक्त रंजित पहाड़ियां अभी भी इस बात की गवाह है कि आजादी के इतने साल बाद भी पुलिस का आचरण वैसा ही तो था जैसा आजादी के पहले था। बस्तर के 27 वें कलेक्टर बी राजगोपाल नायडू ने 15 जुलाई 96 को कार्य

सम्हाला था तब के कमिश्नर, उनके बीच उपजे विवाद की चर्चा तब के सीएम तक पहुंची थी।मालिक मकबूजा वृक्ष यानि आदिवासियों की जमीन पर खड़े इमारती वृक्षों को कहा जाता था। टिम्बर के व्यापारी कम कीमत में वृक्ष खरीद, अधिक कीमत में बेचते थे। इस दौरान करीब 55 करोड़ के 75 हजार वृक्ष टिम्बर व्यापारियों द्वारा काटे गये बाद में कमिश्नर-कलेक्टर को जांच का आदेश देना भारी पड़ा उनके तबादले कर दिये गये। इस मामले में बस्तर के कुछ राजनेताओं के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई थी। बाद में 25 फरवरी 97 को प्रवीर कृष्ण कलेक्टर बने तो 'इमली आंदोलन' के लिए उनका कार्यकाल चर्चित रहा। बस्तर की वनोपज इमली का सही मूल्य दिलाने उन्होंने ही महत्वपूर्ण कदम उठाया था। मालिक मकबूजा प्रकरण के छींटे तब कमिश्नर नारायण सिंह (बाद में मुख्य सचिव छग के समतुल्य पद से सेवा निवृत्त) चितरंजन खेतान (तब सहायक कलेक्टर) पर पड़े, नारायण सिंह, खेतान तो इसी प्रकरण के चलते संभवतः मुख्यसचिव नहीं बन सके।बस्तर में बाद में गणेशशंकर मिश्रा ने कलेक्टर-कमिश्नर का कार्यभार सम्हाला, शहर के विकास सहित औद्योगिकी करण के लिए कई कदम भी उठाये। फिलहाल वहाँ डोमन सिंह कमिश्नर हैं, उनके कार्यकाल में बस्तर नक्सल मुक्त हो गया है?बस्तर में वैसे भी संभवतः देश के पहले आयुक्त होते हैं जिनके अधीन सर्वा धिक जिले हैं।सवाल फिर यही उठ रहा, जब अच्छे प्रशासक - कलेक्टर- कमीश्नर वहां पदस्थ रहे...नक्सलवाद का पौधा कैसे फलता- फूलता रहा...?क्या अफसरशाही इसके लिए जिम्मेदार थी, वहां राजनीति इसके लिए दोषी थी या राज्य सरकार की इच्छा शक्ति की कमी कहीं न कहीं दोषी थी? इसके लिए अभी भी गंभीरता से विचार करना होगा? मुझे छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल आईबी में डायरेक्टर रहे इ एसएल. नरसिम्हन (बाद में राज्यपाल आंध्रप्रदेश - तेलंगाना) की बात याद आ रही है उन्होंने एक बार मुझे दिये गये साक्षात्कार में कहा था- 'पहले पता तो चले नक्सली आखिर चाहते क्या हैं? नक्सलियों से बातचीत का सवाल है तो यह तो पता लगाया जाए नक्सली का नेतृत्व कौन कर रहा है? क्योंकि नक्सली संगठन कई लेयर में बना है? वैसे आंध्र प्रदेश-तेलंगाना पैटर्न पर ही सरकार को योजना बनाना पड़ेगा। सलवा जुडूम, के.पी. एस गिल की पदस्थापना, विजय रमन को नक्सली मामले का प्रभारी बना कई प्रयोग हुए और उन्हें सफल तो नहीं कहा जा सकता है?खैर देर आयद दुरुस्त आयद.. बस्तर नक्सल मुक्त हो ही गया पर कई सवालों के जवाब तो अभी भी आना बचा है..?वैसे नक्सली वहाँ फिर अपनी पैठ न बना पाएँ इसके लिये अभी बहुत कुछ करना छग सर कार की जिम्मेदारी है।

और अब बस...

- देश में नक्सलवाद की कुल घटनाओं में करीब 70त छत्तीसगढ़ और झारखंड में होती थी।
- बस्तर की पहाड़ियों में बसा अबूझमाड़ ऐसा वन क्षेत्र है, जहां सर्वेक्षण नहीं हो सका है।
- बस्तर को पहली बार सन 1896 में राजदरबार ने वन अधिकारी की नियुक्ति की थी।
- महेन्द्र कर्मा पहले राजनेता रहे थे जो निर्दलीय सांसद बनने में सफल रहे थे।
- बस्तर से अभिमन्यु रथ जरूर राज्यसभा में गये थे पर उन्हें ओड़िसा से प्रतिनिधित्व मिला था। बस्तर को ओड़िसा में शामिल करने के प्रयास के कारण उन्हें राज्यसभा भेजा गया था।

एक नजर

20 अप्रैल को करें अक्षय तृतीया का व्रत और दान

रायपुर, 19 अप्रैल। अक्षय तृतीया को लेकर बोरियाकला स्थित शंकराचार्य आश्रम के प्रमुख दंडी स्वामी डॉ. इंदुभवानंद महाराज ने कहा कि

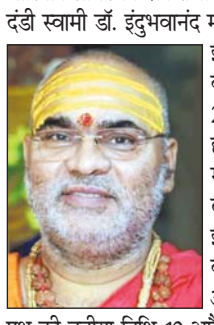

इस साल अक्षय तृतीया का व्रत और दान कल 20 अप्रैल सोमवार को ही करना शास्त्र सम्मत माना गया है। प्रमुख दंडी स्वामी डॉ. इंदुभवानंद महाराज ने कहा ज्योतिष गणना के अनुसार, वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 19 अप्रैल रविवार को दोपहर 1:01 बजे शुरू होकर अगले दिन 20 अप्रैल सोमवार को सुबह 10:40 बजे तक रहेगी। चूंकि तृतीया तिथि दो दिनों तक व्याप्त है, इसलिए धर्मग्रंथों के नियमों के अनुसार दूसरे दिन (सोमवार) को ही व्रत-पूजन करना श्रेष्ठ माना गया है।उन्होंने कहा धर्मशास्त्र निर्णय सिंधु में भी स्पष्ट उल्लेख मिलता है कि जब कोई तिथि दो दिन तक रहे, तो द्वितीय दिवस को ग्रहण करना चाहिए। इसी आधार पर 20 अप्रैल को ही अक्षय तृतीया मनाना उचित रहेगा। प्रमुख दंडी स्वामी डॉ. इंदुभवानंद महाराज ने कहा इस वर्ष अक्षय तृतीया पर विशेष संयोग बन रहा है। यह पर्व सोमवार को पड़ रहा है और साथ में रोहिणी नक्षत्र का योग भी बन रहा है। शास्त्रों के अनुसार, जब अक्षय तृतीया रोहिणी नक्षत्र के साथ सोमवार या दान-पुण्य का विशेष महत्वबुधवार को आए, तो इसे अत्यंत दुर्लभ और फलदायी माना जाता है।उन्होंने कहा अक्षय तृतीया को दान का पर्व भी कहा जाता है।

बाल विवाह के उन्मूलन के लिए जनजागरण आवश्यक : मिश्र

रायपुर, 19 अप्रैल। अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा कि बाल विवाह

जैसी सामाजिक कुरीति के उन्मूलन के लिए समाज के सभी वर्गों का सहयोग आवश्यक है । शिक्षा का प्रचार प्रसार न होने जागरूकता की कमी , पुरानी परम्पराओ को पालन करने के नाम पर होने वाले बाल विवाहों को रोकना सभी जागरूक नागरिकों का कर्तव्य है, वैसे तो बाल विवाह भी साल भर होते है पर रामनवमी से अक्षय तृतीया के बीच में अधिकाधिक संख्या में बल विवाह संपन्न होते है ,जिनमे कई बार तो वर वधु बने बच्चे अंगूठा चूसते हुए माँ की गोद में बैठे रहते है तो अनेक मामलों में दस ग्यारह वर्ष की उम्र में ही शादी कर जाती है ,इस आयु में बच्चे न तो शारीरिक तथा मानसिक रूप से विवाह जैसी गंभीर जिम्मेदारी निभाने के लायक होते है। बाल विवाह से बालिकाओ की पढाई लिखाई बंद हो जाती है बल्कि उन्हें कम उम्र से ही मातृत्व का बोझ उठाना पड़ता है जिसके लिए वे शारीरिक व मानसिक रूप से तैयार नहीं होती। बाल विवाह की प्रथा न ही धार्मिक रूप से सही है और न ही सामाजिक रूप से पुरातन भारतीय व्यवस्था में भी व्यक्ति के शिक्षा पूर्ण करने के बाद युवावस्था में ही विवाह कर गृहस्थ आश्रम में प्रवेश को उचित बताया गया है।

45 डिग्री के करीब पहुंचा पारा

रायपुर, 19 अप्रैल। छत्तीसगढ़ में अप्रैल के मध्य में ही गर्मी ने अपना विकराल रूप दिखाना शुरू कर दिया है। राज्य के कई हिस्सों में आसमान से आग बरस रही है और तेज धूप व गर्म हवाओं ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। राजनांदगांव और राजधानी रायपुर सहित कई जिलों में तापमान अपने चरम पर पहुंच गया है। बढ़ती गर्मी और लू के खतरे को देखते हुए मौसम विभाग ने प्रदेश के कई संभागों के लिए अलर्ट जारी किया है।

छत्तीसगढ़ में गर्मी की तीव्रता लगातार बनी हुई है। मौसम विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार, राजनांदगांव में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। वहीं राजधानी रायपुर में भी पारा सामान्य से 4 से 5 डिग्री अधिक दर्ज किया जा रहा है। रायपुर में अप्रैल महीने का सामान्य अधिकतम तापमान करीब 39.5 डिग्री सेल्सियस माना जाता है, लेकिन फिलहाल यह 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। मौसम पूरी तरह शुष्क है और हवाओं में नमी की कमी साफ महसूस की जा रही है, जिसके कारण दिन के साथ-साथ रात में भी उमस भरी गर्मी का असर बना हुआ है।

मौसम विभाग का हीट वेव अलर्ट

मौसम विभाग ने हालात की गंभीरता को देखते हुए बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग संभाग में अगले 2 दिनों तक हीट वेव यानी लू चलने की सख्त चेतावनी जारी की है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम दिशा से आ रही गर्म और शुष्क हवाएं इस स्थिति के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। हवा में नमी बेहद कम है और सतही दबाव में भी गिरावट दर्ज की जा रही है। इन्हीं परिस्थितियों में तेज धूप और गर्म हवाएं मिलकर हीट वेव की स्थिति पैदा कर रही हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल गर्मी से राहत मिलने के कोई संकेत नहीं हैं और तापमान में और बढ़ोतरी की संभावना बनी हुई है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के खतरे को देखते हुए आम जनता को दोपहर के समय घर से बाहर न निकलने और पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी है।

प्रदेश में भीषण गर्मी की चेतावनी

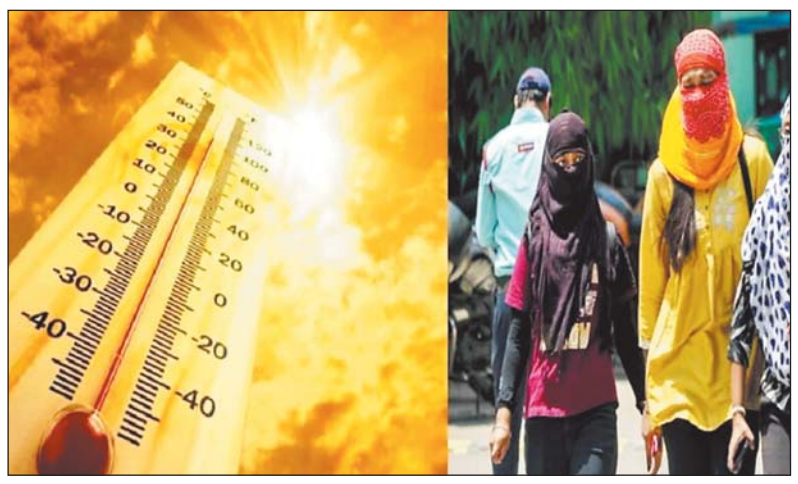

क्या टूटेंगे पुराने रिकॉर्ड

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मौजूदा मौसम प्रणाली इसी तरह बनी रही, तो तापमान 45 डिग्री के पार भी जा सकता है। रायपुर के पुराने आंकड़े बताते हैं कि अप्रैल के अंत तक तापमान खतरनाक स्तर तक पहुंच सकता है। इतिहास में 30 अप्रैल 1942 को रायपुर में 46.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो अब तक का सबसे उच्चतम स्तर है। इसके अलावा 28 अप्रैल 1999 को तापमान 45.4 डिग्री तक पहुंचा था। हाल के वर्षों में भी बार-बार पारा 44 डिग्री से ऊपर जा रहा है, जिससे संकेत मिलते हैं कि इस बार भी पुराने रिकॉर्ड के करीब स्थिति बन सकती है।

व्यापमं ने बदला परीक्षा का समय, अब सुबह 10 बजे से

रायपुर, 19 अप्रैल। छत्तीसगढ़ में लगातार बढ़ती गर्मी, हीट वेव को देखते हुए छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) ने प्रतियोगी परीक्षाओं के समय में बदलाव कर दिया है। रविवार 19 अप्रैल को होने वाली परिवहन आरक्षक भर्ती परीक्षा के बाद आगामी सभी परीक्षाएं सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जाएंगी।

पहले परीक्षा का समय 11 से 1.15 बजे तक निर्धारित किया गया था। दोपहर की पाली को पूरी तरह समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। इससे परीक्षार्थियों को भीषण गर्मी से राहत मिलेगी। आज होने वाली परिवहन आरक्षक परीक्षा पूर्व निर्धारित समय सुबह 11 बजे से दोपहर 1.15 बजे तक ही होगी। इसके बाद नई समय-सारिणी लागू की जाएगी।

ये है ड्रेस कोड

परीक्षार्थियों के लिए हल्के रंग की आधी बांह की शर्ट और स्लीपर पहनना अनिवार्य है। महिला अभ्यर्थियों को कान के आभूषण (जैसे झुमके) पहनने की अनुमति नहीं होगी, हालांकि मंगलसूत्र सहित गले के आभूषण पहन सकेंगी।

आने वाली प्रमुख परीक्षाएं

26 अप्रैल:	उप निरीक्षक (कृषि विपणन बोर्ड)
7 मई:	प्री-पॉलिटेक्निक व एमसीए प्रवेश परीक्षा
14 मई:	प्री-इंजीनियरिंग टेस्ट, एमएससी नर्सिंग
21 मई:	प्री-फार्मेसी व पोस्ट बेसिक नर्सिंग
11 जून:	बीएड व बीएससी नर्सिंग
5 जुलाई:	उप अभियंता भर्ती परीक्षा
2 अगस्त:	लेखा परीक्षण तकनीशियन
4 अक्टूबर:	राज्य पात्रता परीक्षा

तीन में से एक शहरी भारतीय को हो सकता है फैटी लिवर

रायपुर, 19 अप्रैल। शहरी भारत में एक गंभीर लेकिन साइलेंट स्वास्थ्य समस्या तेजी से बढ़ रही है। अनुमान के अनुसार, लगभग हर तीन में से एक शहरी भारतीय फैटी लिवर बीमारी से प्रभावित हो सकता है, वह भी बिना किसी स्पष्ट लक्षण के। विश्व लिवर दिवस के अवसर पर रामकृष्ण केयर हास्पिटल के डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि जो बीमारी पहले अधिकतर बुजुर्गों में देखी जाती थी, अब वह 30-50 वर्ष आयु वर्ग में तेजी से सामने आ रही है। यह केवल एक मेडिकल समस्या नहीं है, बल्कि बदलती जीवनशैली का परिणाम है। लंबे समय तक बैठकर काम करना, अनियमित खानपान, फास्ट फूड का सेवन, बढ़ता तनाव और शारीरिक गतिविधि की कमी–ये सभी लिवर स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहे हैं। खासतौर पर आईटी और कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स में इसके मामले ज्यादा देखे जा रहे हैं, और डायबिटीज, मोटापा व हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगों में जोखिम अधिक है।

डॉ. संदीप पांडे, सीनियर गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट एवं विभागाध्यक्ष, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी ने कहा लिवर बीमारी की सबसे बड़ी चिंता इसकी साइलेंट प्रकृति है। शुरुआती चरण में कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते और अक्सर यह बीमारी रूटीन जांच के दौरान ही सामने आती है। डॉ. ललित निहाल, सीनियर कंसल्टेंट हेपेटोलॉजिस्ट ने बताया लिवर की बीमारियां अक्सर बिना लक्षण के बढ़ती हैं और एडवांस स्टेज में ही सामने आती हैं।

डॉ. हितेश दुबे, कंसल्टेंट हेपेटोबिलियरी एवं लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन ने कहा इस चुनौती से निपटने के लिए रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल्स ने गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, हेपेटोलॉजी, क्रिटिकल केयर और ट्रांसप्लांट सेवाओं को जोड़ते हुए मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच अपनाई है, जिससे समय रहते पहचान और उपचार संभव हो सके।

अटल घोषणा पत्र के क्रियान्वयन की समीक्षा करें मंत्री : कन्हैया

रायपुर, 19 अप्रैल। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के द्वारा नगर निगमों की समीक्षा किए जाने का स्वागत करते हुए कहा कि मंत्री जी को सबसे पहले नगर निगम के लिए भाजपा द्वारा जारी अटल घोषणा पत्र के क्रियान्वयन की समीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि घोषणा पत्र में वादा किया गया था महिलाओं को संपत्ति कर में पच्चीस प्रतिशत की छूट दी जाएगी पुराना बकाया एक साथ भुगतान करने पर संपूर्ण ब्याज माफकिया जाएगा लेकिन इस दिशा में आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इसे तत्काल प्रभाव से लागू करने का आदेश जारी करना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि नगर निगम के सभी जोनों में नक्शा पास करने को लेकर बेहद लूट मची हुई है आम आदमी नक्शा पास करने के लिए बड़ा चढ़ावा चढ़ाने के लिए मजबूर हो रहा है, अन्यथा महीना तक नक्शा पास करने के लिए लोगों को घुमाया जा रहा है। अवैध प्लाटिंग अवैध निर्माण को पूरा संरक्षण दिया जा रहा है। निगम में अलग-अलग क्षेत्र की फाइलें गायब होने का मामला भी सामने आ रहा है इसकी समीक्षा भी होनी चाहिए। गर्मी प्रारंभ होते ही पेयजल की विकट समस्या प्रारंभ हो चुकी है जल जीवन मिशन के काम अधूरे होने के कारण लोग पानी के लिए त्राहि त्राहि कर रहे हैं, शहर की अनेक वैध कॉलोनीयों में संपत्ति कर सहित अन्य करों के भुगतान के बावजूद मांगने पर भी पेयजल की व्यवस्था नहीं की जा रही है ।

रोटरी क्लब ने किया प्रतिष्ठित नागरिकों का सम्मान

रायपुर, 19 अप्रैल। रोटरी क्लब ऑफरायपुर ग्रेटर द्वारा को 'व्यावसायिक पुरस्कार समारोह' का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिष्ठित नागरिकों को सम्मानित करना और राज्य व देश के विकास में उनके योगदान को मंच पर साझा करना था। इस गरिमामयी कार्यक्रम में राज्य के प्रथम पुलिस महानिरीक्षक डॉ. संजीव शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं, निर्वाचित जिला गवर्नर भानु प्रताप सिंह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समारोह में समाज के पांच विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गजों को सम्मानित किया गया: ग्रुप कैप्टन सतीश मिश्रा (रक्षा सेवाएं), डॉ. शिरीष चंद्र मिश्रा (राज्य सूचना आयुक्त एवं पत्रकार), राम नारायण व्यास (अधिवक्ता), डॉ. अनिकेत ठोके (कैंसर विशेषज्ञ), सुश्री कस्तूरी बल्लाल (पशु संरक्षक)। मानवीय सेवाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए, रोटरी क्लब ऑफ रायपुर ग्रेटर ने चरामेति फाउंडेशन के सहयोग से एक अल्प लागत एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत की। यह सेवा जरूरतमंद लोगों के लिए स्थानीय स्तर पर मात्र ?351 में उपलब्ध होगी।

महिलाओं की सार्थक भागीदारी जरूरी : संजय

रायपुर, 19 अप्रैल। नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने अपने निवास पर भाजपा कार्यकर्ता साथियों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महिला सशक्तिकरण वंदन अधिनियम पर राष्ट्र के नाम संबोधन का श्रवण किया। संजय श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री के इस संबोधन का हृदय से स्वागत एवं समर्थन करते हये कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में महिलाओं की सशक्त और सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए एनडीए सरकार द्वारा वर्षों से लंबित 33 प्रतिशत महिला आरक्षण से संबंधित महिला सशक्तिकरण वंदन अधिनियम सदन में प्रस्तुत किया गया।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26